www.tamsasanket.com

वर्षः 29 || अंक 150 || अम्बेडकरनगर

शुक्रवार

21 अगस्त 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

>> डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

https://epaper.tamsasanket.com

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:40
सूर्यास्तः 06:39
अधिकतमः 33:00
न्यूनतमः 27:00

विशेष समाचार बदलती सामाजिक संवेदनाओं ... >> पेज 04 | आयुषी यादव हत्याकांड ... >> पेज 06 | श्वेता तिवारी ने ड्रिंक ऑर्डर ...

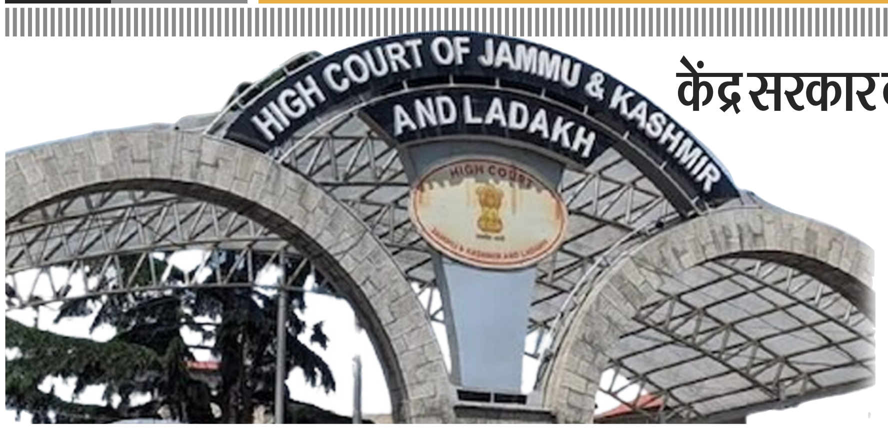

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला: अमित शाह बोले- न्याय तक पहुंच होगी आसान

लद्दाख में होगी जम्मू और कश्मीर हाईकोर्ट की बेंच

> अमित शाह ने अपने पोस्ट में कहा कि केंद्र सरकार का यह फैसला लद्दाख के दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के लिए न्याय तक पहुंच को बेहतर करेगा। उनके अनुसार, लोगों को उन कानूनी सेवाओं को हासिल करने में कम समय लगेगा, जिनके वे हकदार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार लद्दाख के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। घाटी में कानूनी ज्यूरिडिक्शन के विस्तार को लेकर गुरुवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बड़ा फैसला किया है. केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट की बेंच को लद्दाख में स्थापित करने का फैसला किया है. घाटी में कानूनी ज्यूरिडिक्शन के विस्तार को लेकर गुरुवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बड़ा फैसला किया है. केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट की बेंच को लद्दाख में स्थापित करने का फैसला किया है. इसकी जानकारी गृहमंत्री अमित शाह ने साझा की है. उन्होंने बताया कि सरकार ने लद्दाख में कोर्ट की पीठ को स्थापित करने का फैसला किया है.

गृहमंत्री शाह ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र जी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लद्दाख में जम्मू कश्मीर की हाईकोर्ट की एक बेंच स्थापित करने का फैसला लिया है.' उन्होंने

बताया, 'इससे लद्दाख के दूर-दराज इलाकों में रहने वाले नागरिकों के लिए एक न्याय तक पहुंच काफी बेहतर होगी. क्योंकि उन्हें मिलने वाली कानूनी सेवाओं के लिए लगने वाला समय कम हो जाएगा. सरकार लद्दाख के सर्वागीण विकास और संवैधानिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।'

>> (शेष पेज 06 पर)

लद्दाख के लोगों को क्या फायदा होगा?

सरकार के मुताबिक, हाईकोर्ट की बेंच बनने से लद्दाख के दूरदराज इलाकों में रहने वाले नागरिकों को न्यायिक सेवाओं तक पहुंच बनाने में सुविधा होगी। कानूनी सेवाओं के लिए लगने वाला समय कम होने से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। इस फैसले का उद्देश्य लद्दाख में न्याय व्यवस्था तक नागरिकों की पहुंच को और बेहतर करना है।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली-एनसीआर में बारिश एमपी के कई जिलों में बाढ़ के हालात

5 फीट पानी भरा, 2000 स्टूडेंट्स ने हॉस्टल छोड़ा

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/पटना/लखनऊ/जयपुर । देश के कई राज्यों में लगातार बारिश जारी है। मध्य प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सतना में भारी बारिश से चित्रकूट की गुप्तगोदावरी में जलस्तर बढ़ गया। डिंडौरी में नदी-नाले उफान पर हैं और 12 से ज्यादा गांवों का संपर्क टूट गया। पन्ना के कई गांवों में भी पानी भर गया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चार दिनों से बारिश हो रही है। पिछले तीन दिन में 205 मिमी पानी गिरा। शहर के कई इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया। घरों-हॉस्टल में पानी भर गया। बुधवार को करीब 2000 छात्र हॉस्टल

- पुडुचेरी में भारी बारिश जारी
- उत्तराखंड के 6 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

छोड़कर चले गए। आज भी 9 जिलों में रेड अलर्ट है। वाराणसी में घाटों के किनारे 100 से ज्यादा मंदिरों में गंगा का पानी घुस गया है। हरिश्चंद्र घाट पर गलियों और सीढ़ियों में, जबकि मणिकर्णिका घाट में छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार का तिहाड़ में निधन

सिख विरोधी दंगों में उम्रकैद काट रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । तिहाड़ जेल में बंद कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का गुरुवार को 80 साल की उम्र में निधन हो गया। न्यूज एजेंसी ANI के सूत्रों के मुताबिक उन्हें मृत अवस्था में सफदरजंग अस्पताल में लाया गया था।

सज्जन कुमार दिसंबर 2018 से जेल में बंद थे। 7 साल 8 महीने जेल में रहने के बाद आज उनका निधन हो गया। उन्हें 1984 सिख विरोधी दंगों के दो मामलों में उम्रकैद की सजा मिली थी, जबकि दंगों से ही जुड़े दो केस में बरी हो गए थे। 31 अक्टूबर 1984: प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के

- 1984 दंगे- सज्जन पर सिखों की हत्या का आरोप

बाद 1 नवंबर से दिल्ली समेत कई हिस्सों में सिख विरोधी दंगे भड़के थे। दिल्ली में करीब 2700 और देशभर में लगभग 3500 लोगों की मौत हुई।

मई 2000: जीटी नानावटी कमीशन बना।

>> (शेष पेज 06 पर)

डबल मर्डर और खुदखुशी से सनसनी

एसबीआई अफसर ने बैंक मैनेजर पत्नी की हत्या की लिखा- धोखा दिया

हड़कंप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में SBI के फील्ड ऑफिसर ने बैंक रिलेशनशिप मैनेजर पत्नी और अपनी बहन की गोली मारकर हत्या कर दी। फिर खुद भी गोली मारकर जान दे दी। पूरी वारदात को उसने प्लानिंग करके अंजाम दिया। गुरुवार दोपहर करीब 12:05 बजे मानस कार से ICICI बैंक पहुंचा। फोन करके पत्नी दिव्या मिश्रा को ऑफिस से बाहर बुलाया। थोड़ी देर उनसे बातचीत की, फिर गोली मारकर भाग गया। इसके बाद 12:30 बजे वह सीधे 2 किमी दूर अपने घर पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों के

मुताबिक, मानस पसीने से भीगा हुआ था। अंदर जाने के बाद उसने सबसे पहले कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। फिर टीवी पर तेज आवाज में हनुमान चालीसा चला दी। इसके बाद मानस ने बहन शीबा की गोली मारकर हत्या कर दी। शीबा मानसिक बीमार थी। उसका इलाज चल रहा था। मानस को डर था कि उसके मरने के बाद बहन की देखभाल कौन करेगा? >> (शेष पेज 06 पर)

प्रज्ञा मिश्रा ने लिखा- पति साइको था, उसकी बहन पागल थी

यूट्यूबर प्रज्ञा मिश्रा ने सोशल मीडिया X पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा- मेरी बहन दिव्या मिश्रा पति की साइको हरकतों और उसकी बहन की पागलपन की बीमारी की वजह से अलग रह रही थी। सुबह 9 बजे उसका साइको पति 2 रिवॉल्वर के साथ ऑटो से रेकी करने लगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिव्या ने एक साल पहले पति से तलाक की अर्जी दाखिल की थी

दिव्या मिश्रा (33) ICICI बैंक में असिस्टेंट मैनेजर थीं, जो रिलेशनशिप मैनेजर के तौर पर काम कर रही थीं। दिव्या, यूट्यूबर प्रज्ञा मिश्रा की बहन थीं। दिव्या की शादी 12 साल पहले मानस से हुई थी। दोनों के अभी कोई बच्चा नहीं था।

>> (शेष पेज 06 पर)

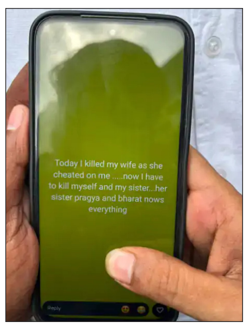

- सुसाइड से पहले आरोपी ने वॉट्सएप पर स्टेटस लगाया था। इसमें लिखा था- मैंने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है, क्योंकि उसने मुझे धोखा दिया।

फास्ट न्यूज

डॉक्टरों को एक यूनिक आईडी मिलेगी

नई दिल्ली। नेशनल मेडिकल कमीशन ने हर रजिस्टर्ड डॉक्टर को केंद्रीय स्तर पर एक यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर देने का प्रस्ताव रखा है। इसके बाद एक बार राज्य मेडिकल रजिस्टर में रजिस्ट्रेशन होने पर डॉक्टर को देश के किसी दूसरे राज्य में प्रैक्टिस करने के लिए अलग से नया रजिस्ट्रेशन या लाइसेंस नहीं लेना होगा।

प्रतिबंध | मांग

आरएसएस पर बैन लगे यहां आने वाले संघ के नेताओं को सम्मान न मिले

नई दिल्ली। अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग यानी USCIRF ने RSS पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। आयोग ने अमेरिकी सरकार से RSS नेताओं को राजनयिक सम्मान नहीं देने और उनके साथ उच्चस्तरीय बैठकें नहीं करने को कहा है।

आयोग के चेयरमैन आसिफ महमूद ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी RSS के सदस्य हैं और इसके सहयोगी संगठनों ने धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले किए हैं।

सुकेश चंद्रशेखर ने जेल से केजरीवाल-सत्येंद्र जैन को लेटर लिखा

नई दिल्ली। सुकेश चंद्रशेखर ने जेल से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को नया लेटर लिखा है। लेटर में उसने पार्टी से जुड़े तीन और घोटाले उजागर करने की धमकी दी है। चंद्रशेखर ने दावा किया कि दिल्ली शराब नीति और जल बोर्ड को लेकर उसके पिछले खुलासे सही साबित हुए हैं।

चंपत राय बोले-पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्रा ने सलाह कभी नहीं मानी, अपनी पसंद के लोग चुने

'राम मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष ने मनमानी की'

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र हर महीने निर्माण कामों का निरीक्षण करते हैं।

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट से इस्तीफे के बाद चंपत राय ने गुरुवार को 9 पन्नों का दूसरा लेटर जारी किया। इसमें उन्होंने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और पूर्व IAS अधिकारी नृपेंद्र मिश्र की भूमिका को लेकर कई दावे किए हैं।

चंपत राय ने कहा, 'राम मंदिर निर्माण के लिए बने ट्रस्ट में 15 ट्रस्टी थे और नृपेंद्र मिश्र को निर्माण समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। मिश्र के सुझाव पर लार्सन एंड टूब्रो (L&T)

तस्वीर 4 अगस्त की है। चंपत राय ने तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य से मुलाकात की थी।

को मंदिर निर्माण की जिम्मेदारी दी गई। भवनों के डिजाइन और निर्माण से जुड़े काम के लिए नोएडा की डिजाइन एसोसिएट फर्म का चयन भी किया। चंपत राय ने कहा कि नृपेंद्र मिश्र ने निर्माण समिति में अपनी पसंद के लोगों को शामिल किया। इनमें से कुछ लोग छह साल के दौरान केवल एक-दो बार ही अयोध्या आए। पूर्व NBCC चेयरमैन अनूप मित्तल लगातार नृपेंद्र मिश्र के साथ निर्माण समिति की बैठकों में शामिल होते थे। >> (शेष पेज 06 पर)

नृपेंद्र ने निर्माण समिति के फैसले बदले- चंपत राय

चंपत राय ने कहा कि मंदिर निर्माण से जुड़े फैसले समिति की बैठकों में लिए जाते थे, लेकिन कई मामलों में बाद में बदलाव किए गए और नृपेंद्र मिश्र के फैसलों को प्राथमिकता दी गई। कई मामलों में समिति के अन्य सदस्यों के सुझावों या फैसलों को महत्व नहीं दिया गया।

जंतर-मंतर मामला : सुप्रीम कोर्ट ने जांच कमेटी बनाई

इसमें रिटायर्ड जज, सीबीआई -पुलिस के पूर्व अफसर

आरोप

- पैलेटगन चलाने और महिलाओं से बदसलूकी के आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को संसद मार्च के दौरान पुलिस की कार्रवाई के आरोपों की जांच के लिए 5 सदस्यों की हाई पावर्ड कमेटी के नामों का ऐलान किया। कमेटी का अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस आर सुभाष रेड्डी

को बनाया गया है।

इसमें पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व जज जस्टिस शलिंदर कौर, CBI के पूर्व डायरेक्टर ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के रिटायर्ड DGP डॉ. एलआर बिश्नोई शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को सुनवाई के दौरान इस कमेटी को बनाने का फैसला लिया था। >> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था- संसद मार्च गैरकानूनी था

सुप्रीम कोर्ट में 18 अगस्त को सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा था कि 20 जुलाई का संसद मार्च गैरकानूनी था। इसकी परमिशन नहीं थी। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में कई हिस्ट्रीशीटर भी आ गए थे।

टीचर ने थप्पड़ मारा, बच्चा गोद में गिरा, दम तोड़ा

परिवार का दावा- दहशत में आया हार्ट अटैक

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

विशाखापट्टनम । विशाखापट्टनम में गुरुवार को टीचर की पिटाई से 6 साल के बच्चे की मौत हो गई। CCTV में नजर आया कि पिटाई के बाद बच्चा टीचर की गोद में ही गिर पड़ा। परिजन का आरोप है कि टीचर की पिटाई से बच्चे को दहशत में हार्ट अटैक आ गया। यह पूरी घटना क्लासरूम में लगे CCTV में रिकॉर्ड हो गई। इसमें दिखाई दे रहा है कि टीचर ने उसके कपड़े उतारने की कोशिश की और थप्पड़ मारा। रिपोर्ट्स के मुताबिक मृतक प्रणय तेजा लिटिल गार्डन्स स्कूल के UKG में पढ़ता था। टीचर की गोद में गिरने

- सीसीटीवी सामने आने के बाद पता चला
- बच्चे की मेडिकल हिस्ट्री की जांच करेगी पुलिस

के बाद बच्चे को किंग जॉर्ज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि घटना का पता तब चला जब क्लास का CCTV फुटेज सोशल मीडिया पर सामने आया।

>> (शेष पेज 06 पर)

आरोप : प्रयागराज में बाढ़ और जलभराव को लेकर सरकार पर अखिलेश ने साधा निशाना

भाजपा राजनीतिक दल नहीं, गैंग है

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गुरुवार को भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सत्ता का दुरुपयोग कर रही है और प्रदेश में भ्रष्टाचार, अपराध तथा महंगाई चरम पर है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राजनीतिक दल नहीं बल्कि गैंग की तरह काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को सत्ता से बाहर कर देगी। उन्होंने भाजपा पर षड्यंत्र करने का आरोप लगाते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ही भाजपा के षड्यंत्रों को विफल करने में सक्षम है।

>> (शेष पेज 06 पर)

बाढ़ को लेकर सरकार पर हमला

प्रयागराज में बाढ़ और जलभराव की स्थिति को लेकर अखिलेश यादव ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में विकास के नाम पर भारी धनराशि खर्च किए जाने के बावजूद हजारों घर जलमग्न हैं। उन्होंने महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में हुए विकास कार्यों को लेकर भी सवाल उठाते हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच की मांग जैसे सवाल उठाए।

> अखिलेश यादव ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर से जुड़े चढ़ावे और चंदे के मामले को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने चढ़ावा चोरी में शामिल बड़े लोगों को बचाने का काम किया है। उनके मुताबिक, इससे जनता के विश्वास को चोट पहुंची है।

भाजपा पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में जुल्म-ज्यादती की पराकाष्ठा हो गई है। सरकार सत्ता के दुरुपयोग को अपना अधिकार समझ रही है। भ्रष्टाचार और सरकारी बजट की लूट को उन्होंने भाजपा सरकार का मुख्य एजेंडा बताया।

उन्होंने आरोप लगाया कि निर्दोष लोगों को परेशान किया जा रहा है, पीडीए समाज का उत्पीड़न हो रहा है और फर्जी एनकाउंटर किए जा रहे हैं। अपराधियों तथा भ्रष्टाचारियों को सत्ता का संरक्षण मिलने का भी आरोप लगाया। अखिलेश ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है और हत्या, लूट तथा महिलाओं से जुड़े अपराध लगातार हो रहे हैं।

इटावा एनकाउंटर का वीडियो शेयर किया, पूछा- प्रदेश में कोई गृहमंत्री है क्या?

यूपी में फिल्म सिटी की शूटिंग चालू :अखिलेश

मुठभेड़

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा । सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को इटावा पुलिस एनकाउंटर का एक वीडियो अपने X अकाउंट पर शेयर किया। भाजपा सरकार और पुलिस पर तंज कसते हुए लिखा- यूपी में फिल्म सिटी की शूटिंग चालू है। कहानी और स्क्रिप्ट लिखने वाले भी पुलिस के लोग हैं। डायरेक्ट और कॉस्ट्यूम डिजाइनर भी पुलिस के ही लोग हैं।

अखिलेश ने दावा किया कि वीडियो इटावा में मां-बेटी की हत्या के आरोपी से मुठभेड़ का है। वीडियो में थाना प्रभारी विक्रम सिंह आरोपी मुकेश यादव के पैर में पट्टी बांधते, उसकी जेब से कारतूस निकालते और स्कूटी से बरामद 2 लाख 31 हजार रुपए गिनते दिखाई दे रहे हैं। दरअसल इटावा के चन्देठी गांव में 17 अगस्त की सुबह मां- बेटी का शव उनके घर में मिला था। पुलिस ने इस मामले में मुठभेड़ के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, भागने के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें एक गोली उसके पैर में लगी थी।

पुलिस ने मुठभेड़ में आरोपी को दबोचा

हत्याकांड के खुलासे के लिए एसओजी, सर्विलांस और भरथना थाना पुलिस की टीमें गठित की गईं। टीमों ने संदिग्धों से पूछताछ के साथ सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया।

पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी मुकेश यादव जारपुरा से साम्हों की ओर जा रहा है। पुलिस टीमों ने रास्ते में चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान लाल रंग की स्कूटी पर एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो उसने स्कूटी मोड़कर भागने का प्रयास किया।

निर्मला, मृतक बेटी पुष्पा देवी, मृतक मां

एसएसपी बृजेश श्रीवास्तव के मुताबिक मंजू देवी का पति सत्येंद्र से तलाक का मुकदमा चल रहा था। 3 अगस्त को कोर्ट ने उसे मंजू को हर महीने 7 हजार रुपए भरण-पोषण देने का आदेश दिया था। पुलिस के अनुसार, इसी से नाराज होकर सत्येंद्र ने अपने दोस्त मुकेश यादव के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची।

पुलिस मुठभेड़ में पैर में लगी गोली

पुलिस के मुताबिक, भागने के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें एक गोली मुकेश के दाहिने पैर में लगी। घायल अवस्था में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। 42 साल का मुकेश मैनपुरी का रहने वाला है। मुठभेड़ के बाद का एक वीडियो भी सामने आया। वीडियो में पुलिसकर्मी आरोपी के पैर में पट्टी बांधते नजर आए। इसके अलावा आरोपी की जेब से कारतूस निकालने और स्कूटी से 2 लाख 31 हजार रुपए निकालकर गिनने की कार्रवाई करते भी दिखे।

गोरखपुर में मासूम के हत्यारे मास्टर को उम्रकैद

डेढ़ साल के बच्चे की ईंट से कूचकर हत्या की थी

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में डेढ़ साल के मासूम की ईंट से कूचकर हत्या करने वाले आरोपी को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर 10 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। 23 सितंबर 2024 को घर के बाहर खेल रहे मासूम को आरोपी ने गोद में उठाया था। इसके बाद ईंट से सिर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई थी। करीब 23 महीने चली सुनवाई के बाद बुधवार को कोर्ट ने फैसला सुनाया। सजा सुनते ही बच्चे के परिजनों की आंखें भर आईं और उन्होंने कहा कि हत्यारे को ऐसी ही सजा मिलनी चाहिए थी।

बांसगांव के भैंसारानी गांव के रहने वाले राहुल यादव ने मामले में FIR दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 23 सितंबर 2024 की शाम उनका डेढ़ साल का बेटा दिव्यांश घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला रंजीत उर्फ मास्टर वहां पहुंचा और बच्चे को गोद में उठा लिया।

आरोप है कि रंजीत ने बिना किसी वजह के बच्चे के सिर पर ईंट से वार करना शुरू कर दिया। बच्चे की दादी सुगना देवी उसे बचाने के लिए आगे बढ़ीं तो आरोपी ने उन्हें भी धक्का दे दिया। इसके बाद वह बच्चे को लहूलुहान हालत में छोड़कर वहां से चला गया। घटना के बाद शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। परिजन बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांसगांव ले गए।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में फिर पीएसी तैनात कर भैंसें उठवाईं

दुबग्गा (लखनऊ)। लखनऊ नगर निगम ने पारा इलाके में अवैध रूप से चलाई जा रही डेयरियों पर फिर एक्शन लिया है। गुरुवार सुबह मोहान रोड के पास और काकोरी मोड़ आदि के मोहल्लों में 3 थानों की पुलिस, एक कंपनी पीएसी बल और ईटीएफ (एन्क्रोचमेंट टास्क फोर्स) के साथ नगर निगम की कैटल कैचर टीम पहुंची। हेलमेट, डंडे और बुलेट प्रूफ जैकेट में तैनात जवानों ने डेयरियों का घेराव किया ।

डीजीपी आवास के पास एलएलबी छात्र की मौत

लखनऊ । लखनऊ में डीजीपी आवास के पास स्कूटी सवार 24 वर्षीय एलएलबी छात्र की रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल छात्र सड़क पर काफी देर तक पड़ा रहा। सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी हालत बिगड़ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान प्रखर त्रिवेदी उर्फ पीयूष के रूप में हुई है। वह भानुमति सुंदरबाग, जूरियन टोला, मकबूलगंज का रहने वाला था। इसी साल उसने एलएलबी में दाखिला लिया था।

अभिनेता अमित सियाल ने खाई हींग कचौड़ी

वाराणसी। हिंदी फिल्मों और ओटीटी के चर्चित अभिनेता अमित सियाल बुधवार को वाराणसी पहुंचे। उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया और बाबा कालभैरव का आशीर्वाद भी लिया। इस दौरान वाराणसी दक्षिण के विधायक नीलकंठ तिवारी उनके साथ मौजूद रहे। दर्शन-पूजन के बाद विधायक नीलकंठ तिवारी ने अभिनेता को अपने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी।

गोरखपुर से रेडी-अन्ना पोर्टल से ठगी करने वाले 5 गिरफ्तार

ऑनलाइन गेमिंग में लगवाते थे सट्टा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में गुरुवार को ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर लोगों को ठगने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। शाहपुर पुलिस और साइबर टीम ने "रेडी अन्ना" नामक अवैध गेमिंग पोर्टल के जरिए सट्टा खिलाकर विभिन्न बैंकों के म्यूल खातों से पैसों का लेन-देन करने वाले 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी देवरिया, मुजफ्फरनगर, सिवान के रहने वाले हैं। शाहपुर में किराए के मकान में ठिकाना बनाया था। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि सूचना के आधार पर गुरुवार सुबह शाहपुर इलाके के सेमरा नंबर स्थित पानी की टंकी के पास स्थित मकान से आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में पता चला कि यहां 6 माह से आरोपी किराए का

कमरा लेकर रह रहे थे। इस गिरोह के तार अन्य राज्यों से भी जुड़े हैं। पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी "रेडी अन्ना" वेबसाइट का पैनल खरीदकर उसकी ब्रांच चलाते थे। ये लोग भोले-भाले लोगों को सट्टा खिलाने के लालच में फंसाते थे। डिपॉजिट-विड्रॉल के लिए अलग-अलग लोगों के नाम से खुलवाए गए फर्जी बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि रोजाना लाखों रुपये का लेन-देन होता था और पैसा आने के बाद उसे आपस में बांट लिया जाता था।

बिजली बंद और लंच पैकेट की मांग ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क की तत्काल मरम्मत

बाढ़ के पानी से सरसंडा बेलहरी मार्ग पर गहरे गड्ढे

रोशनी की व्यवस्था और राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। हेतमापुर क्षेत्र में घाघरा नदी के बढ़ते-घटते जलस्तर के चलते बांध के अंदर बसे दर्जनों गांव इन दिनों बाढ़ की समस्या से जूझ रहे हैं। कई गांवों के चारों ओर बाढ़ का पानी भर जाने से ग्रामीणों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। आवागमन से लेकर बिजली आपूर्ति, पशुओं के चारे और जरूरतों तक के लिए ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि तहसील प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जा रही है और राहत एवं बचाव कार्य भी कराए जा

रहे हैं। इसी बीच सरसंडा-बेलहरी गांव को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर बाढ़ के पानी के बहाव ने बड़ी समस्या खड़ी कर दी है। घाघरा नदी के किनारे बसे सरसंडा गांव की ओर जाने वाली सड़क पर कई स्थानों पर पानी के तेज बहाव के कारण मिट्टी कटने लगी है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे मार्ग पर आवागमन लगातार जोखिम भरा होता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी के बहाव के कारण सड़क की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। बाइक, साइकिल और पैदल आने-जाने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। पानी बहने के दौरान सड़क पर बने गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे कभी भी हादसा हो सकता है। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो पानी के तेज बहाव से मार्ग का बड़ा हिस्सा कटकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकता है और गांवों का संपर्क प्रभावित हो सकता है।

बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों की एक और बड़ी समस्या बिजली आपूर्ति बंद होना है। ग्रामीणों ने बताया कि गांवों में बाढ़ का पानी पहुंचने के बाद सुरक्षा के मद्देनजर बिजली सप्लाई बंद कर दी गई है।

रोड़ा और गिट्टी डालकर सड़क की मरम्मत की मांग

स्थानीय ग्रामीण दारेंद्र निषाद, सूर्या, राजेश, कुलदीप, शिवनारायण समेत अन्य ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन से सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों पर रोड़ा, गिट्टी और मिट्टी डालकर फिलहाल रास्ते को सुरक्षित किया जा सकता है। यदि प्रशासन ने समय रहते ध्यान नहीं दिया तो सड़क पूरी तरह कट सकती है, जिसके बाद ग्रामीणों के सामने आवागमन का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा।

ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ के कारण कई स्थानों पर आने-जाने में परेशानी है। ऐसे हालात में जरूरतमंद परिवारों तक भोजन और अन्य राहत सामग्री पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रभावित गांवों का सर्वे कराकर जरूरत के अनुसार लंच पैकेट और अन्य आवश्यक राहत सामग्री वितरित कराई जाए।

फोटो-वीडियो बनाने पर रोक, सीजेपी चला रही 'स्कूल ठीक करो' अभियान

यूपी के सरकारी स्कूलों में यूट्यूबर्स की एंट्री बैन

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । यूपी के सरकारी स्कूलों में बाहरी व्यक्तियों और यूट्यूबर्स की एंट्री पर बैन लगाए जा रहे हैं। बुधवार को अयोध्या के बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चंद्र ने फरमान जारी किया है। उन्होंने कहा- स्कूलों में सक्षम अधिकारियों की अनुमति के बिना फोटो लेने और वीडियो बनाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। बीएसए ने छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और उनके हितों का हवाला दिया। कहा, कुछ लोग स्कूलों में पहुंचकर शिक्षकों और स्टाफ के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। इससे पढ़ाई प्रभावित होने के साथ शिक्षक पद की गरिमा को भी ठेस पहुंच रही है। अयोध्या से पहले

विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के कोई भी बाहरी व्यक्ति, यूट्यूबर या सोशल मीडिया से जुड़ा व्यक्ति स्कूल में प्रवेश नहीं कर सकेगा।

आजमगढ़, बलिया, बस्ती, बलरामपुर, शामली और आगरा में भी इस तरह के आदेश जारी हुए हैं। अफसरों के इस आदेश को कॉकरोच जनता पार्टी के "स्कूल ठीक करो अभियान" से जोड़कर देखा जा रहा है। आगरा के 2,400 सरकारी स्कूलों में एंट्री पर रोकः 13 अगस्त को बीएसए राकेश सिंह ने आदेश जारी किया। उन्होंने बताया, कुछ मामलों में बाहरी लोग बिना अनुमति स्कूलों में पहुंचकर सोशल मीडिया के लिए वीडियो बनाने लगे थे।

अयोध्या बीएसए बोले- स्कूलों की जांच के लिए अधिकारी पहले से तैनात

बीएसए लाल चंद्र ने कहा, स्कूलों की व्यवस्थाओं की जांच और निगरानी के लिए शासन-प्रशासन की ओर से पहले से अधिकारी नामित हैं। ये अधिकारी समय-समय पर स्कूलों का निरीक्षण करते हैं। निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली कमियों को दूर कराने के लिए नियमानुसार कार्रवाई भी की जाती है। ऐसे में बाहरी लोगों के स्कूलों में पहुंचकर खुद जांच करने या वीडियो बनाने पर रोक लगाई गई है। जिले के सभी परिषदीय स्कूलों में यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

हुमा हेल्थ केयर मेडिकल स्टोर को सील कर संचालक पर कार्रवाई की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रामनगर थाना क्षेत्र के सुढियामऊ चौराहे पर संचालित हुमा हेल्थ केयर मेडिकल स्टोर को लेकर गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजन गौतम से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मेडिकल स्टोर के संचालन को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए मामले की जांच कराते हुए दुकान को सील करने तथा संचालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि सुढियामऊ चौराहे पर हुमा हेल्थ केयर के नाम से मेडिकल स्टोर संचालित किया जा रहा है, जहां नियमों की अनदेखी किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। प्रतिनिधिमंडल ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर मेडिकल स्टोर के

संचालन से संबंधित अभिलेख, लाइसेंस और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच कराने की मांग की। विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि मेडिकल स्टोर का संचालन निर्धारित नियमों एवं मानकों के विपरीत पाया जाता है तो संबंधित प्रतिष्ठान को तत्काल सील किया जाए और जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि मेडिकल स्टोरों पर दवाओं की बिक्री, भंडारण और संचालन को लेकर निर्धारित नियमों का पालन कराया जाना आवश्यक है, ताकि आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ न हो। प्रतिनिधिमंडल ने सीएमओ से मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजकर मौके पर जांच कराने और जांच में अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजन गौतम ने प्रतिनिधिमंडल की शिकायत को सुनते हुए मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया।

अलर्ट : लेटे हनुमान मंदिर तक पहुंचीं गंगा, कानपुर में मलबे में दबी महिला का रेस्क्यू

गर्भवती को चारपाई पर लिटाकर उफनाता नाला पार कराया

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी/कानपुर/आगरा/मेरठ। यूपी में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 84 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। काशी में विश्वनाथ मंदिर का गंगा द्वार बंद कर दिया गया। मणिकर्णिका-हरिश्चंद्र घाट के शवदाह स्थल जलमग्न हो गए। हरिश्चंद्र घाट पर गलियों और सीढ़ियों में, जबकि मणिकर्णिका घाट पर छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है। चित्रकूट में मंदाकिनी, अयोध्या में सरयू और गोंडा में घाघरा नदी खतरे के निशान को पार कर गई हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी का पानी बाजार तक पहुंच गया है। सड़कों पर नावें चल रही हैं। गुप्त गोदावरी की

दोनों गुफाएं पर्यटकों के लिए बंद कर दी गई हैं। यहां बारिश से नाला उफान पर आ गया। नाले पर बनी पुलिया डूब गई। इसके चलते ग्रामीणों ने गर्भवती महिला को चारपाई पर लिटाकर नाला पार कराया और अस्पताल ले गए। प्रयागराज में 3 दिनों से हो रही बारिश के चलते दारागंज, करेली और सलोरी जैसे इलाकों में घरों में 3-3 फीट पानी भर गया है। 2 हजार से ज्यादा छात्रों ने हॉस्टल छोड़ दिया है। गंगा-यमुना भी उफान पर हैं। गंगा का पानी लेटे हनुमान मंदिर कॉरिडोर तक पहुंच गया है। कल सुबह तक गंगा हनुमानजी का जलाभिषेक कर सकती हैं।

कानपुर देहात में बारिश के चलते कच्चे मकान की छत गिर गई। एक महिला मलबे में दब गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने रेस्क्यू किया। इसका वीडियो भी सामने आया है। बिजनौर में खो नदी उफान पर है। शिव मंदिर और आम के पेड़ नदी में समा गए।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार-बंगाल की खाड़ी से नम हवाएं आ रही हैं। इसका असर यूपी में पड़ रहा है। एक बार फिर बारिश का दौर शुरू हो गया। 25 अगस्त तक यह सिलसिला जारी रहेगा।

वाराणसी पुलिस कमिश्नर ने संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया

वाराणसी में पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल और डीएम सत्येंद्र झा ने गंगा और वरुणा नदी के संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने अफसरों को बाढ़ चौकियों की तैयारियों और बाढ़ की स्थिति पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए।

चंपत-अनिल मिश्रा को क्लीन चिट देने का आधार क्या है

लखनऊ । आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राम जन्मभूमि ट्रस्ट से जुड़े चढ़ावे और अन्य वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही एसआईटी की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने गुरुवार को लखनऊ में कहा कि 17 अगस्त को एक ओर सुप्रीम कोर्ट की ओर से एसआईटी को जांच जल्द पूरी कर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश की खबर सामने आई। उसी दिन चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा को क्लीन चिट मिलने की खबर प्रकाशित हुई। जब सुप्रीम कोर्ट ने जांच की स्थिति पूछी है, तो जांच पूरी होने से पहले ही क्लीन चिट की खबर कैसे सामने आ गई? यदि पुरानी जांच रिपोर्ट में पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई थी तो अब चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा को क्लीन चिट दिए जाने का आधार क्या है? वह एसआईटी के सामने सभी दस्तावेज और साक्ष्य रखना चाहते हैं।

गोरखपुर बीजेपी महानगर की नई जिला कार्यसमिति घोषित

8 उपाध्यक्ष और 3 महामंत्रियों समेत 21 नामों का ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । बीजेपी की गोरखपुर महानगर इकाई की ओर से बुधवार देर रात जिला कार्यसमिति की घोषणा की गई। पार्टी की ओर से जारी सूची में कुल 21 पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई हैं। जिला अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता की ओर से जारी घोषणा में 8 जिला उपाध्यक्ष, 3 जिला महामंत्री, 8 जिला मंत्री, 1 जिला कोषाध्यक्ष और 1 जिला कार्यालय मंत्री के नाम शामिल हैं। बीजेपी की ओर से जिला कार्यसमिति की घोषणा को आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। जिला कार्यसमिति में जिला उपाध्यक्ष के पद पर 8 नेताओं को शामिल किया गया है। इनमें वरुण चौरसिया, संतोष शुक्ला, पवन यादव, रणविजय शाही, मनीष जैन, रणविजय सिंह मुन्ना, अमृतलाल भारती और श्वेता श्रीवास्तव शामिल

हैं। पार्टी संगठन में जिला उपाध्यक्षों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। इन पदाधिकारियों के माध्यम से अलग-अलग क्षेत्रों में संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाने की जिम्मेदारी रहेगी। जिला महामंत्री के पद पर अच्युतानंद शाही, समरेन्द्र कुमार सिंह और मनोज अग्रहरी को जिम्मेदारी दी गई है। महामंत्री संगठन के कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए इन पदाधिकारियों के सामने संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने की जिम्मेदारी होगी।

ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश, जिला कौशल समिति की बैठक में डीएम ने की योजनाओं की समीक्षा

कौशल प्रशिक्षण का लक्ष्य पूरा न करने वालों पर होगी कार्रवाई

सख्ती

तमसा संकेत, संवाददाता

युवाओं को रोजगार की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण देने पर जोर

अम्बेडकरनगर। जिले में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों की धीमी प्रगति पर प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति की बैठक हुई। मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला की मौजूदगी में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में पावरलूम और टेक्सटाइल सेक्टर में प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू कराने की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि युवाओं को उनकी रुचि और स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाए। इससे उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ा जा सकेगा।

जिलाधिकारी ने टेक्सटाइल, अपैरल, एग्रीकल्चर, ब्यूटी एंड वेलनेस, कंस्ट्रक्शन, इलेक्ट्रॉनिक्स, पेंट एंड कोटिंग, पावर, प्लंबिंग, रिटेल तथा टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी सेक्टरों में प्रशिक्षण की जरूरत के अनुसार लक्ष्य प्रस्तावित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम तय करते समय स्थानीय रोजगार की संभावनाओं और उद्योगों की जरूरत को ध्यान में रखा जाए। प्रशिक्षण का नियोजन केवल लक्ष्य पूरा करने तक सीमित न रहे, बल्कि युवाओं को रोजगार योग्य बनाने पर केंद्रित हो। बैठक में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता और उनकी प्रगति की नियमित समीक्षा पर जोर दिया गया।

बैठक में जिला समन्वयक कौशल विकास, उपायुक्त उद्योग, जिला कृषि अधिकारी, सहायक श्रमायुक्त, निदेशक आरसेटी और एमआईएस प्रबंधक समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

लक्ष्य पूरा नहीं किया तो ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रशिक्षण लक्ष्य पूरा करने में लापरवाही मिलने पर संबंधित प्रशिक्षण प्रदाताओं के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। जरूरत पड़ने पर उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई भी की जाए। उन्होंने कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने पर भी जोर दिया। निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

> बैठक में जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण प्रदाताओं को निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन प्रशिक्षण प्रदाताओं ने अभी तक लक्ष्य पूरा नहीं किया है, वे तय समय में प्रशिक्षण लक्ष्य पूरा करें।

खाद की पर्याप्त उपलब्धता

यूरिया के 11 हजार मीट्रिक टन से अधिक स्टॉक

- अगस्त तक लक्ष्य से अधिक यूरिया और फास्फेटिक उर्वरक की हुई उपलब्धता, 504 मीट्रिक टन यूरिया और आने की उम्मीद

तमसा संकेत,संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में यूरिया और फास्फेटिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता बताई गई है। जिला कृषि अधिकारी अरविंद चौधरी के अनुसार, अगस्त तक जिले में निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले यूरिया, डीएपी, एनपीके और एसएसपी की अधिक मात्रा उपलब्ध हुई है। किसानों को उर्वरक प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य है। जिला कृषि अधिकारी के मुताबिक अगस्त तक यूरिया का क्रमिक लक्ष्य 44,171 मीट्रिक टन था। इसके मुकाबले 48,203 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध हुई। इसी तरह डीएपी के 5,491 मीट्रिक टन लक्ष्य के सापेक्ष 8,868 मीट्रिक टन उपलब्धता दर्ज की गई।

एनपीके का लक्ष्य 1,336 मीट्रिक टन था, जबकि उपलब्धता 4,064 मीट्रिक टन रही। एसएसपी के 13,666 मीट्रिक टन लक्ष्य के मुकाबले 23,130 मीट्रिक टन और एमओपी के 589 मीट्रिक टन लक्ष्य के मुकाबले 177 मीट्रिक टन उपलब्ध हुआ। वितरण के बाद सहकारिता और निजी क्षेत्र को मिलाकर जिले में वर्तमान में 11,039 मीट्रिक टन यूरिया, 3,803 मीट्रिक टन डीएपी, 3,347 मीट्रिक टन एनपीके, 5,961 मीट्रिक टन एसएसपी और 112 मीट्रिक टन एमओपी उपलब्ध है। अयोध्या रैक प्वाइंट पर मेटिक्स कंपनी की सहकारिता क्षेत्र के लिए 504 मीट्रिक टन यानी 11,200 बोरी यूरिया उपलब्ध है। यह यूरिया जल्द ही अम्बेडकरनगर जिले को प्राप्त होने की जानकारी दी गई है।

उर्वरक के लिए फार्मर रजिस्ट्री जरूरी

जिला कृषि अधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसानों को उर्वरक प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। उर्वरक से संबंधित किसी समस्या या शिकायत के लिए जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में उर्वरक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

फास्ट न्यूज़

प्रयागराज में जलभराव पर सपा का प्रदर्शन

प्रयागराज। प्रयागराज में लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में हुए जलभराव को लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को सिविल लाइंस स्थित धरना स्थल पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सपा सपा MLC मान सिंह यादव ने कहा प्रयागराज में जलभराव की स्थिति को लेकर प्रदेश सरकार और नगर निगम पर गंभीर आरोप लगाए।

22 अगस्त का यूथ पार्लियामेंट स्थगित

राजेसुल्तानपुर (अम्बेडकरनगर)। एकेडमिक रिसर्च सोसाइटी, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में 22 और 23 अगस्त को प्रस्तावित दो दिवसीय यूथ पार्लियामेंट कार्यक्रम की तारीख बदल दी गई है। अब यह कार्यक्रम 26 और 27 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, अपरिहार्य कारणों से पूर्व निर्धारित तिथि पर कार्यक्रम नहीं हो सकेगा।

कार्यक्रम के आयोजक और भारत सरकार के स्थायी अधिवक्ता डॉ. पवन कुमार तिवारी ने संशोधित तिथि की जानकारी दी।

कार्यक्रम की तारीख बदलने से प्रतिभागियों को तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा।

एएसपी पश्चिम की जनसुनवाई में पहुंचीं फरियादें

अम्बेडकरनगर। आमजन की शिकायतों के समाधान को लेकर एएसपी पश्चिम हरेंद्र कुमार ने गुरुवार को कार्यालय में जनसुनवाई की। उन्होंने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान आमजन ने अपनी-अपनी समस्याएं एएसपी पश्चिम के सामने रखीं।

22 अगस्त का यूथ पार्लियामेंट स्थगित, अब 26-27 सितंबर को होगा आयोजन

अपरिहार्य कारणों से बदली कार्यक्रम की तारीख

तमसा संकेत, संवाददाता

राजेसुल्तानपुर (अम्बेडकरनगर)। एकेडमिक रिसर्च सोसाइटी, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में 22 और 23 अगस्त को प्रस्तावित दो दिवसीय यूथ पार्लियामेंट कार्यक्रम की तारीख बदल दी गई है। अब यह कार्यक्रम 26 और 27 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, अपरिहार्य कारणों से पूर्व निर्धारित तिथि पर कार्यक्रम नहीं हो सकेगा।

कार्यक्रम के आयोजक और भारत सरकार के स्थायी अधिवक्ता डॉ. पवन कुमार तिवारी ने संशोधित तिथि की जानकारी दी।

कार्यक्रम की तारीख बदलने से प्रतिभागियों को तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। आयोजकों के अनुसार, यूथ पार्लियामेंट में शामिल होने के लिए पंजीकरण प्रक्रिया जारी रहेगी।

सोसाइटी के अम्बेडकरनगर अध्यक्ष डॉ. उदयराज मिश्र ने बताया कि कार्यक्रम निर्धारित नई तिथि पर लल्लन जी ब्रह्मचारी पीजी कॉलेज, राजेसुल्तानपुर में ही आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि जिन प्रतिभागियों ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है, वे ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। तारीख बढ़ने से ऐसे प्रतिभागियों को भी कार्यक्रम की तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा।

मां को करंट लगा तो बचाने दौड़ा बेटा, तार की चपेट में आकर मौत

ज्ञानमती को बचाने में रामरतन गंभीर रूप से झुलसे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के धर्मपुर करमैतेपुर गांव में गुरुवार सुबह बिजली के करंट की चपेट में आने से 28 वर्षीय रामरतन कनौजिया की मौत हो गई। घर में पंखे का तार बिजली बोर्ड में लगाते समय उनकी मां ज्ञानमती को करंट लग गया था। मां को बचाने के लिए रामरतन तुरंत दौड़े। मां को तो बचा लिया, लेकिन खुद करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। धर्मपुर करमैतेपुर निवासी रामरतन कनौजिया गुरुवार सुबह घर में खाना खा रहे थे। इसी दौरान उनकी मां ज्ञानमती पंखे का तार बिजली के बोर्ड में लगा रही थीं।

तार लगाते समय अचानक उन्हें तेज करंट लगा। वह इसकी चपेट में आ गईं। मां को करंट लगता देख रामरतन उन्हें बचाने के लिए दौड़ पड़े।

रामरतन ने अपनी मां को करंट से अलग कर दिया। हालांकि, इसी दौरान वह स्वयं बिजली की चपेट में आ गए। करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद घर में चीख-पुकार मच गई। परिजन उन्हें तत्काल चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे। जांच के बाद चिकित्सक ने रामरतन को मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, रामरतन नौ भाइयों में सबसे छोटे थे और उनकी शादी नहीं हुई थी। अचानक हुए हादसे से परिवार में शोक का माहौल है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी ली। जहांगीरगंज थानाध्यक्ष रितेश पांडेय ने बताया कि घटना के संबंध में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। घर में खाना खाने के दौरान शुरू हुआ यह हादसा कुछ ही देर में मातम में बदल गया। मां को करंट से बचाने के लिए रामरतन ने तत्काल प्रतिक्रिया दी, लेकिन इसी दौरान वह खुद गंभीर रूप से झुलस गए। चिकित्सक के मृत घोषित किए जाने के बाद परिवार में शोक छा गया।

राजीव गांधी ने रखी आधुनिक भारत की नींव : डॉ. आरपी कौशल

तमसा संकेत, संवाददाता

- कांग्रेस कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री की 82वीं जयंती सद्भावना दिवस के रूप में मनाई गई, चित्र पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

अम्बेडकरनगर। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 82वीं जयंती पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनकी जयंती को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया। कार्यक्रम में राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद गोष्ठी आयोजित हुई।

गोष्ठी की अध्यक्षता कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष डॉ. आरपी कौशल ने की। संचालन जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल ने किया।

डॉ. आरपी कौशल ने कहा कि राजीव गांधी ने प्यार, समानता, मानवता और धर्मनिरपेक्षता पर आधारित फैसलों के जरिए आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने राजीव गांधी को दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि उनके निर्णयों ने देश को आधुनिक दिशा देने में योगदान किया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी कुशल राजनयिक थे। उन्होंने स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ भारत की विदेश नीति को आगे बढ़ाया। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अवधेश कुमार मिश्र ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती सद्भावना दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि से हुई।

चार बार नीलामी की विज्ञप्ति, चार लाख खर्च फिर भी नहीं बनी बात

पांच महीने से नहीं मिला टैक्सी स्टैंड का ठेकेदार

तमसा संकेत,संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर नगर पालिका परिषद में टैक्सी स्टैंड की नीलामी पांच महीने से अटकी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 का ठेका खत्म होने के बाद भी नया ठेका नहीं हो सका। नीलामी नहीं होने से नगर पालिका को पूरे वित्तीय वर्ष में करीब 50 लाख रुपये के संभावित राजस्व नुकसान का अनुमान है। वहीं, स्टैंडों से शुल्क वसूली के लिए सफाई कर्मचारियों को लगाने से पालिका की व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। टैक्सी स्टैंडों पर शुल्क वसूलने के लिए आउटसोर्सिंग पर तैनात करीब 10 से 11 सफाई कर्मचारियों को अलग-अलग स्थानों पर लगाया गया है। इसका सीधा असर उनके मूल काम पर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इन कर्मचारियों के वेतन पर पालिका को हर महीने करीब 1.20 लाख रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं।

वहीं, इन कर्मचारियों के जरिए भी टैक्सी स्टैंड से अपेक्षित राजस्व की पूरी वसूली नहीं हो पा रही है। इससे पालिका के सामने अतिरिक्त खर्च और कम वसूली की स्थिति बन गई है। अधिशासी अधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि टैक्सी स्टैंड की निविदा में शामिल होने के लिए ठेकेदारों को आमंत्रित किया गया था। बुधवार को नीलामी प्रक्रिया होनी थी, लेकिन कोई ठेकेदार शामिल नहीं हुआ। इसके चलते नीलामी शुरू नहीं हो सकी। अब पालिका के सामने दोबारा नीलामी प्रक्रिया कराने की चुनौती है। तब तक टैक्सी स्टैंडों से शुल्क वसूली की जिम्मेदारी पालिका के पास ही रहेगी।

चार बार विज्ञप्ति, चार लाख खर्च फिर भी खाली हाथ

नया ठेका देने के लिए नगर पालिका अब तक चार बार विज्ञप्ति जारी कर चुकी है। इन विज्ञप्तियों पर करीब चार लाख रुपये खर्च हुए हैं। इसके बावजूद नीलामी प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी।

जानकारी के अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में ठेकेदारों की ओर से कम बोली लगाए जाने के कारण प्रक्रिया सफल नहीं हो पाई। इसके बाद पालिका ने टैक्सी स्टैंडों की शुल्क वसूली खुद संभालने का निर्णय लिया।

ठेका होता तो बचता कर्मचारियों का अतिरिक्त बोझ

स्थानीय लोगों का कहना है कि समय से नीलामी पूरी हो जाती तो पालिका को ठेके से राजस्व मिलता। सफाई कर्मचारियों को वसूली के काम में लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे सफाई व्यवस्था भी प्रभावित नहीं होती। लगातार नीलामी नहीं होने से नगर पालिका अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं।

रक्षाबंधन पर बहनों की राखी पहुंचेगी समय से, डाक विभाग ने कसी कमर

28 अगस्त को पर्व, छुट्टी के दिन भी खुले रहेंगे डाकघर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रक्षाबंधन पर्व को लेकर भारतीय डाक विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बार रक्षाबंधन 28 अगस्त को मनाया जाएगा। विदेश और दूसरे राज्यों में रहने वाले भाइयों तक राखी समय पर पहुंचाने के लिए डाक विभाग ने विशेष व्यवस्था की है। पर्व से पहले पड़ने वाले रविवार और सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी डाकघर खुले रखने की तैयारी है। रक्षाबंधन को देखते हुए प्रधान डाकघर में विशेष काउंटर बनाया गया है। यहां से राखी भेजने की सुविधा उपलब्ध होगी। मानसून के दौरान बारिश और नमी से राखी को सुरक्षित रखने के लिए वाटरप्रूफ लिफाफे भी उपलब्ध कराए गए हैं। इन लिफाफों की कीमत 10 रुपये निर्धारित की गई है। डाक विभाग ने जिले के लिए करीब चार हजार वाटरप्रूफ लिफाफों का स्टॉक तैयार किया है। वाटरप्रूफ लिफाफे प्रधान डाकघर के अलावा जिले के 32 उप डाकघरों में भी उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें जलालपुर, जाफरगंज, मालीपुर, बसखारी, टांडा, बरियावन, विद्युतनगर महरुआ, भोटी, कटेहरी और औरंगनगर समेत अन्य डाकघर शामिल हैं। डाक विभाग के अनुसार, लिफाफे में राखी के साथ मिठाई, कुमकुम और पूजा सामग्री भी भेजी जा सकती है। इसके लिए निर्धारित डाक नियमों के अनुसार पैकेट तैयार करना होगा। डाक विभाग अधिकारियों के अनुसार, स्पीड पोस्ट के जरिए दिल्ली और मुंबई में राखी करीब 24 घंटे में पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। विदेश भेजी जाने वाली राखियों के लिए तीन से छह दिन में डिलीवरी का लक्ष्य है। भारत के किसी भी राज्य में राखी पैकेट भेजने के लिए स्पीड पोस्ट का शुल्क 42 रुपये और रजिस्ट्री डाक का शुल्क 22 रुपये निर्धारित किया गया है। सऊदी अरब, अमेरिका, दुबई और अन्य देशों में राखी भेजने के लिए रजिस्ट्री डाक से 400 रुपये और स्पीड पोस्ट से 1,500 रुपये शुल्क निर्धारित है।

सटरिंग लगी तो पहुंची पुलिस निर्माण रुकने पर उठे सवाल

मुसईतपुर बेवाना में मकान निर्माण का मामला

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। बेवाना थाना क्षेत्र के मुसईतपुर बेवाना में मकान निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। निर्माण के दौरान दीवारें खड़ी होने के बाद सटरिंग का काम शुरू हुआ तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर काम रुकवा दिया। पुलिस ने जमीन पर स्टे होने की बात कही। वहीं, पीड़ित का दावा है कि निर्माण रोकने के समय उसके पास किसी न्यायालयीन रोक आदेश की जानकारी नहीं थी।

मामले में पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पीड़ित ने आरोप लगाया कि निर्माण के शुरुआती चरण में पुलिस ने कोई आपत्ति नहीं की। दीवारें तैयार होने के बाद सटरिंग शुरू की गई तो अचानक काम बंद करा दिया गया।

पीड़ित के मुताबिक, मकान की दीवारें खड़ी करने का काम पूरा हो चुका था। इसके बाद छत के लिए सटरिंग लगाई जा रही थी। इसी दौरान पुलिस पहुंची और निर्माण कार्य रुकवा दिया। पीड़ित का कहना है कि पुलिस ने जमीन पर स्टे होने का हवाला दिया, जबकि उसके अनुसार निर्माण कार्य रोकने के दौरान किसी स्टे आदेश की प्रति या स्पष्ट जानकारी उसके सामने नहीं रखी गई। हालांकि, जमीन पर न्यायालयीन रोक थी या नहीं, इसका अंतिम निर्धारण संबंधित न्यायालयीन दस्तावेजों से ही हो सकता है। निर्माण रुकने से पीड़ित ने लाखों रुपये के नुकसान का दावा किया है। उसका आरोप है कि सटरिंग और निर्माण से जुड़े काम को बीच में रोकने के कारण उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

पड़ताल : अधिकारियों ने किया भोजन, छात्रावास और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति देखी गई

कस्तूरबा विद्यालयों में व्यवस्थाओं की जांच

तमसा संकेत, संवाददाता

> निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने छात्राओं के साथ बैठकर भोजन किया। इस दौरान छात्राओं से सीधे संवाद कर विद्यालय में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई। अधिकारियों ने छात्राओं से उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं के बारे में भी पूछा। इससे विद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर छात्राओं का पक्ष जाना गया।

अम्बेडकरनगर। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में छात्राओं को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिलेभर में निरीक्षण अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देश पर खंड शिक्षा अधिकारियों ने सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान शैक्षिक गतिविधियों के साथ छात्रावास और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति देखी गई। निरीक्षण के बाद संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को विद्यालय परिसर तथा छात्रावासों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। छात्राओं के लिए स्वच्छ पेयजल और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि विद्यालयों में जरूरी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप रखी जाएं। छात्राओं की सुविधाओं और आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने को कहा गया। विद्यालयों में छात्राओं के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और सकारात्मक शैक्षिक वातावरण बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को शिक्षा के साथ छात्रावास की व्यवस्थाओं और छात्राओं की दैनिक जरूरतों पर लगातार ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण का उद्देश्य कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित वातावरण और बेहतर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना रहा।

कक्षा से छात्रावास तक व्यवस्थाओं की पड़ताल

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यालयों में चल रही शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी ली। छात्रावासों की व्यवस्था, भोजन, साफ-सफाई, पेयजल और सुरक्षा समेत अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों ने विद्यालय परिसर में उपलब्ध व्यवस्थाओं को देखा और संबंधित कर्मचारियों से उनकी स्थिति की जानकारी ली। छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

मेडिकल कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य की पाठशाला

डिप्रेशन से आत्महत्या रोकथाम तक हुई चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

- यूजीसी के कार्यक्रम में विद्यार्थियों और स्वास्थ्यकर्मियों को मानसिक समस्याओं की पहचान के तरीके बताए, नकारात्मक विचारों को नजरअंदाज न करने पर जोर

अम्बेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में गुरुवार को मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यूजीसी के Mental Health & Well-Being Programme के तहत हुए आयोजन में डिप्रेशन, मानसिक विकार, नकारात्मक विचार और आत्महत्या की रोकथाम जैसे विषयों पर जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में मानसिक रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार गुप्ता ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने डिप्रेशन के लक्षणों के साथ डिसोसिएटिव डिसऑर्डर, साइकोसोमैटिक डिसऑर्डर और धात सिंड्रोम के बारे में बताया। मानसिक परेशानियों की समय पर पहचान और उचित सहायता लेने को महत्वपूर्ण बताया गया। कार्यक्रम में डिप्रेशन के प्रमुख लक्षणों पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि मानसिक परेशानी को नजरअंदाज करने के बजाय समय रहते सहायता और उपचार लेना जरूरी है।

सम्पादकीय

सुधार कब होगा

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक बार फिर अपने विभाग की कमियों को बेबाकी से स्वीकार किया। उन्होंने न केवल यह माना कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में अफसरों और ठेकेदारों की मिलीभगत से तकनीकी एवं वित्तीय योग्यता तय हो रही है, बल्कि यह कहने में भी संकोच नहीं किया कि ठेकेदार सरकारी नियमों का बेजा लाभ उठाने में सफल हैं। ऐसी खरी बातें वे पहले भी कर चुके हैं, लेकिन लगता है उन्हें इसका भान नहीं कि इन खामियों-खराबियों को दूर करने की जिम्मेदारी तो उन्हीं की है। उन्हें सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री पद पर आसीन रहते हुए 12 वर्ष से अधिक का समय हो गया है। यह एक रिकार्ड है। आखिर इतने लंबे अनुभव के बाद भी वे अपने मंत्रालय की कमजोरियों की केवल पहचान ही क्यों कर पा रहे हैं? क्या इन कमजोरियों को दूर करने का काम प्राथमिकता के आधार पर नहीं होना चाहिए? वे इससे अनजान नहीं हो सकते कि बढ़ती मार्ग दुर्घटनाएं और उनमें होने वाली मौतों के कारण उनका मंत्रालय सवालों के घेरे में है।

नितिन गडकरी के इस कथन से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि गलत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट यानी डीपीआर तैयार करने वाले सलाहकार राजमार्गों पर होने वाली दुर्घटनाओं के लिए दोषी हैं, क्योंकि ऐसा काम करने वालों को दंडित करने का काम उनके ही मंत्रालय को करना है। यहां प्रश्न यह भी है कि ऐसे अक्षम सलाहकारों की सेवाएं ली ही क्यों जा रही हैं? इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। समस्या केवल राजमार्गों पर बढ़ते सड़क हादसों की ही नहीं है। समस्या यह भी है कि आम तौर पर राजमार्ग गुणवत्ता के मानकों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। स्थिति यह है कि एक्सप्रेसवे तक उद्घाटन के चंद माह बाद ही धंस जा रहे हैं। इससे इन्कार नहीं कि देश में बड़े पैमाने पर सड़क, पुल आदि बन रहे हैं, लेकिन यह प्रश्न अनुत्तरित है कि उनकी गुणवत्ता दोयम दर्जे की क्यों साबित हो रही है? सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने निर्माण की गुणवत्ता से समझौता करने वाले ठेकेदारों को काली सूची में डालने की चेतावनी भले ही दी हो, लेकिन सच यह है कि वह असर करती नहीं दिख रही है। कहीं इसका कारण यह तो नहीं कि ऐसे ठेकेदार अपनी कंपनियों के नाम बदलकर फिर से सरकारी ठेके हासिल कर ले रहे हैं? नितिन गडकरी ने उप-ठेकेदारी के नियम बदलने के जो संकेत दिए, वे पर्याप्त नहीं कहे जा सकते, क्योंकि यह काम अब तक हो जाना चाहिए था। आखिर 12 साल एक लंबा कालखंड होता है। यह सही है कि सुधारों का सिलसिला सदैव कायम ही रहता है, लेकिन जो सुधार बहुत पहले हो जाने चाहिए थे, उनका भी लंबित रहना अफसोस और चिंता की बात है।

कर्मों का बहीखाता

आज के युग पीढ़ी दर पीढ़ी में देखा - देखी व होंडा होड़ लग रखी हैं की बस कर्म करते जाओं । कर्म कैसे , क्या , किस तरीक़े से आदि महत्व नहीं हैं बस कर्म करते जाओं । धार्मिक द्रष्टि से बोलें की कर्म करो अर्थात जप, तप, त्याग , तपस्या करते जाओं फल की इच्छा या कामना छोड़ दो तब तक तो ठीक हैं लेकिन मानव के द्वारा मानसिकता में लिया और कुछ ही जा रहा है की कर्म करते जाओं फल की चिन्ता मत करों । कर्म तो अहर्निश हम सदा करते ही जाते हैं। पर क्या ? अच्छे बुरे का हिसाब कभी हम रख पाते हैं। इस और हमारी सोच , चिन्तन कभी जाता ही नहीं है और हम यथार्थ से अनभिज्ञ होते हैं । भर्ती करते दिमाग में बिन सोचे समझे हम बस भरते जाते बिना विवेक कसौटी में कस हम अच्छे पर ध्यान देते कम बुरे को जमा करते जाते। सड़ जाता हमारा दिमाग,कचरे को न साफ़ करके जाने कितनी दुर्गन्ध भर जाती ।इस दिमाग में विष सी जहरीली सोच और निर्णय शक्ति को कर देती विकृत । मिली सिर्फ मानव को ही ये अद्भुत विशेष शक्ति व सदउपयोग कर,पा सकता जन्म जन्मांतर से मुक्ति स्वच्छ पवित्र दिमाग से करता विकास और उन्नति। सुजिंदगी,प्रगति के लिए दिमाग को रखो सदा दरुस्त बेकार,बद विचार ,बातों को निकल करो निरस्त सशक्त चिंतन,स्वस्थ-स्वच्छ दिमाग रख,रहो मस्त -मस्त जीवन खुशहाल होगा आपस में प्रेम व भाईचारा । नन्दन वन सा उद्यान होगा ,इंद्रधनुषी सा रंग धरती पर उतर आएगा स्वर्ग सा रंगमंच। कर्म का उदय या अन्त कह कर नहीं होता हैं । कर्म ही हंसाते है व कर्म ही रुलाते है । न भूल मानव एक दिन इनका भी बिना बौले मार्च (अन्त) आएगा । उसके बाद अप्रैल या नये कोई से भी कर्म इस जन्म में तो नहीं करे जायेंगे । जब इनका भी तलपट कर्म अनुसार बनाया जाएगा और उसी अनुसार हिसाब कर दिया जाएगा।

> प्रदीप छाजेड़

बदलती सामाजिक संवेदनाओं में वृद्धों को चाहिए उजाले

> सरकार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल की हैं।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस समाज के अंतर्मन को झकझोरने एवं वृद्धों की त्रासद स्थितियों पर सोचने को विवश करता है कि जिन हाथों ने परिवार की नींव रखी, जिन कंधों ने बच्चों के भविष्य का भार उठाया और जिन अनुभवों ने जीवन की अनेक कठिन राहों को पार करने में अगली पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया, उन्हीं वृद्ध माता-पिता को जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलापन, उपेक्षा, असुरक्षा और अपमान क्यों झेलना पड़ रहा है? निश्चित ही कहीं-न-कहीं हमारी सामाजिक संवेदना कमजोर हुई है। जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान सहज संस्कार होना चाहिए था, वहां उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए अलग से दिवस मनाना हमारी सामूहिक आत्मचिंता का विषय है। भारत तेजी से वृद्ध होती आबादी की ओर बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो सकती है; यानी हर पांच भारतीयों में लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा। यह केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती है। अधिक उम्र तक जीना मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन यदि लंबी आयु के साथ अकेलापन, बीमारी, आर्थिक असुरक्षा और भावनात्मक उपेक्षा जुड़ जाए तो दीर्घ जीवन वरदान के बजाय बोझ जैसा अनुभव होने लगता है। भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्ता-वाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं। उनके पास रहने को छत है, लेकिन संवाद के लिए कोई अपना नहीं; परिवार है, लेकिन समय नहीं; संतान है, लेकिन अपनापन कम होता जा रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस वृद्ध ने जीवनभर परिवार को अपने केंद्र में रखा, सेवानिवृत्ति के बाद वही परिवार उसे अपने केंद्र से बाहर करने लगता है। नौकरी में रहते हुए जिस व्यक्ति की सलाह महत्वपूर्ण थी, नौकरी से मुक्त होते ही उसकी उपयोगिता जैसे समाप्त मान ली जाती है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इसी बदलती सामाजिक संरचना का संकेत है। हर वृद्धाश्रम दुख की कहानी नहीं है; कुछ स्थानों पर वे अकेले और असहाय वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षा और देखभाल का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। लेकिन जब वृद्धाश्रम उन माता-पिता का अंतिम ठिकाना बन जाए जिन्हें सक्षम संतान केवल इसलिए घर से दूर कर देती है कि वे आधुनिक जीवन की सुविधाओं के बीच 'असुविधा' बन गए हैं, तब प्रश्न केवल परिवार का नहीं, पूरे समाज के संस्कारों का बन जाता है। संपत्ति अपने नाम कराने के बाद माता-पिता से दूरी बना लेना, उनकी बीमारी को बोझ समझना या उन्हें केवल घरेलू जिम्मेदारियों के लिए उपयोग करना ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिन पर समाज को गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। यह भी सच है कि वृद्धावस्था की समस्या केवल युवाओं की संवेदनहीनता से पैदा नहीं होती। वरिष्ठ नागरिकों को भी बदलते समय के साथ स्वयं को बदलना होगा। नई पीढ़ी की स्वतंत्रता, निजी निर्णय और जीवनशैली को समझना होगा। अनावश्यक हस्तक्षेप से बचते हुए अपने अनुभव को आदेश नहीं, मार्गदर्शन के रूप में प्रस्तुत करना होगा। उम्र बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन मन का बूढ़ा हो जाना अनिवार्य नहीं। वरिष्ठ नागरिक यदि सामाजिक गतिविधियों, अध्ययन, सेवा, आध्यात्मिकता, सामुदायिक कार्यक्रमों और रचनात्मक कार्यों से जुड़े रहें तो उनका जीवन अधिक सक्रिय, सार्थक और आनंदपूर्ण बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट का कल आया फैसला बुजुर्गों के लिए कानूनी संजीवनी की तरह है जिसमें न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि संतान माता-पिता की देखभाल और भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने में विफल रहती है, तो वरिष्ठ नागरिकों की संपत्ति और सम्मान की रक्षा के लिए कानून के तहत बच्चों को उस संपत्ति से बेदखल करने का रास्ता खुला है।

विशेष रूप से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आय की परवाह किए बिना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज देना एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार के अनुसार अक्टूबर 2024 में शुरू हुए इस विस्तार से लगभग छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है; जून 2026 तक योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कवरेज का दायरा इसी दिशा में आगे बढ़ाया गया है। इसी प्रकार अटल वयो अभ्युदय योजना का उद्देश्य केवल वृद्धों को आश्रय देना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, आवास, सक्रिय एवं उत्पादक वृद्धावस्था, कौशल, परिवहन तथा पीढ़ियों के बीच संबंधों को मजबूत करना भी है। योजना में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायता, वृद्धाश्रम, सहायक उपकरण, सक्रिय वृद्धावस्था और अनुभव आधारित रोजगार जैसे पहलुओं को भी शामिल किया गया है। ये प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सरकारी योजनाओं की सफलता अंततः उनके अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी पहुंचने पर निर्भर करती है। पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा, डिजिटल सेवाओं और कानूनी संरक्षण को अधिक सरल, सुलभ और स्थानीय स्तर पर प्रभावी बनाना अभी भी आवश्यक है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए आर्थिक सुरक्षा जितनी जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी भावनात्मक सुरक्षा है। पैसा दवा खरीद सकता है, लेकिन अकेलेपन का उपचार नहीं कर सकता। अस्पताल शरीर का इलाज कर सकता है, लेकिन उपेक्षा से घायल मन का उपचार परिवार का प्रेम ही कर सकता है। इसलिए वृद्ध कल्याण को केवल सरकारी योजना या पेंशन के दायरे में नहीं देखा जा सकता। परिवार को यह समझना होगा कि वृद्ध माता-पिता को केवल भोजन और दवा नहीं चाहिए; उन्हें बातचीत चाहिए, सम्मान चाहिए, निर्णयों में सहभागिता चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि वे परिवार के लिए अब भी महत्वपूर्ण हैं। आज की युवा पीढ़ी को यह बात विशेष रूप से समझनी होगी कि माता-पिता का वर्तमान हमारे भविष्य का संकेत है। जो व्यवहार हम आज अपने वृद्ध माता-पिता के साथ करेंगे, आने वाला समय उसी व्यवहार को हमारे सामने खड़ा करेगा।

ललित गर्ग

हेमंत सरकार के ...

रामस्वरूप रावतसरे

हेमंत सरकार के निर्णय से एक सड़क से हटा नहीं, दूसरा सड़क पर उतर गया

झारखंड सरकार ने 17 अगस्त को छात्रों के 26 दिन लंबे आंदोलन के दबाव में आखिरकार जेएसए-ससी - सीजीएल समेत टीडीपीएल द्वारा आयोजित परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला कर लिया। इसके साथ ही हेमंत सोरेन की सरकार ने 2014 से अब तक जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं और नियुक्तियों की जांच कराने तथा परीक्षा प्रक्रिया में सुधार के लिए उच्चस्तरीय समिति बनाने की भी घोषणा कर दी। सरकार के इस फैसले से उन छात्रों को राहत मिली है, जो लंबे समय से कथित परीक्षा धांधली की जांच और परीक्षाओं को रद्द करने की मांग कर रहे थे। लेकिन इसी फैसले ने एक दूसरा और शायद ज्यादा कठिन सवाल खड़ा कर दिया है। अगर परीक्षा में कुछ लोगों ने गड़बड़ी की थी तो उन लोगों की पहचान और कार्रवाई करने के बजाय पूरी परीक्षा में सफल होकर नौकरी पाने वाले हर अभ्यर्थी को संदेह की नजर से क्यों देखा जा रहा है? विशेषज्ञों की दृष्टि में सरकार ने एक आंदोलन खत्म करने के लिए दूसरा संकट पैदा कर दिया है। हेमंत सरकार का फैसला पहली नजर में छात्रों की जीत दिखाई देता है। लेकिन सड़क पर चल रहे आंदोलन को खत्म करने के लिए एक ऐसा प्रशासनिक फैसला ले लिया है, जिसके दूरगामी परिणाम अब हजारों परिवारों को भुगतने पड़

सकते हैं? यह सवाल इसलिए और गंभीर है क्योंकि जेएसएससी - बीजीएल की परीक्षा पास कर चुके कई अभ्यर्थी अब सरकारी कर्मचारी हैं। वे नौकरी कर रहे हैं और उन्हें वेतन भी मिल रहा है। मगर अब अचानक सरकार कह रही है कि परीक्षा ही रद्द है। तो सवाल है - इन लोगों का क्या होगा?

हेमंत सरकार के फैसले से नाराज कर्मचारी मंगलवार को भारी बारिश के बावजूद रांची के प्रोजेक्ट भवन के बाहर पहुंचे। उनका सवाल बेहद सीधा है और इसे नजर-अंदाज करना सरकार के लिए आसान नहीं होगा। एएसओ के पद पर कार्यरत एक अन्य कर्मी का सवाल सरकार के लिए और असहज करने वाला है। उनका कहना है कि उन्होंने अदालत के फैसले के बाद नौकरी ज्वाइन की थी। उनके अनुसार, सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद 141 पेज के फैसले के आधार पर नियुक्ति हुई। ऐसे में यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन सभी को दोषी मान लेना कहां का न्याय है? एक बड़ा तथ्य यह कि इन कर्मचारियों के सवालों का सरकार के पास फिलहाल कोई साफ और स्पष्ट जवाब दिखाई नहीं देता लेकिन अब झारखंड की हेमंत सरकार को बताना होगा कि- परीक्षा में गड़बड़ी हुई या पूरी भर्ती प्रक्रिया ही भ्रष्ट थी? यही इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा सवाल है। अगर सरकार के पास यह प्रमाण है कि पूरी जेएसएससी -सीजीएल परीक्षा ही भ्रष्ट तरीके से आयोजित हुई थी, तो सरकार को सार्वजनिक तौर पर बताना चाहिए कि किस स्तर पर क्या गड़बड़ी हुई। कौन अधिकारी जिम्मेदार था? किस एजेंसी की भूमिका संदिग्ध थी? कितने अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ मिला? कितने अभ्यर्थियों ने वास्तव में धोखाधड़ी की? क्या हर चयनित उम्मीदवार को किसी न किसी गड़बड़ी का लाभ मिला था? और अगर सरकार यह साबित नहीं कर सकती कि हर चयनित उम्मीदवार की सफलता संदिग्ध थी, तो पूरी परीक्षा और उससे हुई नियुक्तियों को एक साथ खत्म करने का नैतिक और कानूनी आधार क्या है?

नौकरी कर रहे कर्मचारियों के अनुसार पहले जांच होती तो तथ्य सामने आते। दोषी अलग किए जाते और निर्दोष अलग किए जाते। उसके बाद परीक्षा और नियुक्तियों पर फैसला होता लेकिन सरकार ने पहले परीक्षा रद्द कर दी और अब जांच की बात कर रही है। क्या यह न्याय की उचित प्रक्रिया है? सवाल तो यह भी कि एक छात्र आंदोलन को खत्म करने के लिए हजारों युवाओं का भविष्य दांव पर क्यों?

जानकार कहते हैं कि दरअसल, हेमंत सरकार ने छात्रों की मांग मानकर शायद यह मान लिया कि परीक्षा रद्द कर देने से विवाद खत्म हो जाएगा, लेकिन विवाद अभी खत्म नहीं हुआ, बल्कि और बढ़ने की दिशा में अग्रसर है। छात्र अब भी सीबीआई जांच और अन्य परीक्षाओं को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। यानी सरकार ने इतना बड़ा फैसला लिया, लेकिन जिस आंदोलन को शांत करने के लिए फैसला लिया गया, वह पूरी तरह शांत भी नहीं हुआ।

बिना आवास ...

महेन्द्र कुमार

पीएम आवास योजना से सन्तकबीर नगर के जितेन्द्र कुमार की बदली तकदीर

प्रत्येक नागरिक के लिए रोटी, कपड़ा और मकान अनिवार्य आवश्यकताओं में है। यदि ये तीनों चीजें लोगों के पास होंगी तो निश्चित ही उनका गुजर बसर आसानी से हो सकेगा। लेकिन देश एवं प्रदेश में कुछ ऐसे गरीब असहाय परिवार थे जिनके पास अपने परिवार के लिए पक्का मकान नहीं था। गरीबी और निर्धनता के कारण वे अपना आशियाना बनाने में असमर्थ थे और उनका परिवार झोपड़ पट्टी व कच्चे मकान में रहने के लिए विवश था।

बिना आवास वाले गरीबों के दुःख-दर्द को दृष्टिगत रखते हुए मा0 प्रधानमंत्री जी ने 'प्रधानमंत्री आवास योजना' पूरे देश में लागू की जो गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से गरीब, असहाय लोगों को आशियाना उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक इस योजना से प्रदेश में लाखों बेघरों को पक्का मकान उपलब्ध कराया गया है।

मा० प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी तथा प्रदेश के मा० मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने आवास विहीन लोगों के सपनों को साकार किया है। लाभार्थियों द्वारा भी सरकार की कोटि-कोटि प्रशंसा की जा रही है। इस योजना से उनके जीवन में एक नई सोच का संचार हुआ है और अब उनकी जिन्दगी ही बदल गई है।

ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी जनपद संतकबीर नगर के नगर पंचायत हरिहरपुर, मोहल्ला जवाहर नगर वार्ड नं 06 के निवासी जितेन्द्र कुमार यादव पुत्र विश्राम यादव की है। जितेन्द्र कुमार बताते हैं,' हम गरीब है और मेहनत मजदूरी से घर का खर्चा चलाते थे। जब हमारे पास आवास की सुविधा नहीं थी, तो हमें काफी परेशानी उठानी पड़ती थी। हम अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में निवास करते थे। मकान अत्यन्त जर्जर अवस्था में था। दीवारों में दरारें थीं और छत कभी भी गिर सकती थी। 'सबसे बड़ी चिंता यही रहती थी कि अगर हमारा यह मकान गिर गया तो हम कहां रहेंगे। बरसात में छत टपकती थी, गर्मी में उमस लगती थी और सर्दी में ठंड से बचना मुश्किल था। बच्चों के साथ रहना बहुत कठिन था। सीमित आमदनी में घर का खर्च चलाना ही मुश्किल था, ऐसे में पक्का मकान बनवाने का सोचना भी असंभव था।

श्री जितेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बारे में हमें जानकारी हुई। यह उनके लिए उम्मीद की नई किरण बनकर आयी। इस योजना का लाभ उठाने हेतु उन्होंने तुरंत आवेदन किया। संबंधित अधिकारियों द्वारा उनका सर्वे किया गया और उन्हें स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। स्वीकृति उपरान्त शीघ्र ही उन्हें अपना स्वयं का पक्का मकान निर्मित करने हेतु तीन किस्तों में धनराशि की प्राप्ति हुई। सरकार से मिली धनराशि से जितेन्द्र कुमार ने अपना पक्का मकान निर्मित कर अपनी आवश्यकताओं को पूरा किया। मजबूत ईंट-सीमेंट की दीवारें, पक्की आरसीसी छत, टाइल वाला फर्श और हवादार कमरे। अब न बरसात का डर है, न आंधी-तूफान की चिंता। जितेन्द्र कुमार कहते हैं, 'पहले लगता था कि जीवन ऐसे ही कट जाएगा। लेकिन पीएम आवास योजना ने हमें नया जीवन दिया। अब हम सम्मान के साथ रह रहे हैं। बच्चों के पढ़ने के लिए अलग कमरा है और परिवार चैन से सोता है।

जरा हटके

बलरामपुर के ग्रामीण...

डॉ0 सीमा गुप्ता

बलरामपुर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से सशक्त होतीं ग्रामीण महिलाएं

प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप ग्रामीण विकास के लिए संचालित योजना 'राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन' जनपद बलरामपुर में महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। सुदूर ग्रामीण अंचलों में निर्धन परिवारों की महिलाओं को संगठित कर उन्हें आजीविका के अवसरों से जोड़ने के सुनियोजित प्रयास अब धरातल पर व्यापक सामाजिक और आर्थिक बदलाव ला रहे हैं।

जनपद बलरामपुर में वर्तमान में 13,524 महिला स्वयं सहायता समूह पूरी सक्रियता के साथ कार्य कर रहे हैं। इन समूहों के माध्यम से हजारों ग्रामीण परिवारों को आर्थिक संबल प्राप्त हुआ है। पारंपरिक रूप से घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली यहां की ये महिलाएं आज संगठित होकर वित्तीय प्रबंधन, उद्यमिता और सामाजिक विकास की मुख्य धारा में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

जिला प्रशासन के समन्वय से इन स्वयं सहायता समूहों को स्वावलंबी बनाने के लिए त्रिस्तरीय वित्तीय एवं संस्थागत सहयोग प्रणाली लागू की गई है। समूहों को रिवाल्विंग फंड, सामुदायिक निवेश निधि और बैंकों के माध्यम से सुलभ ऋण की सुविधाएं समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस वित्तीय समावेशन से ग्रामीण महिलाएं अपनी वित्तीय आवश्यकताओं के लिए साहूकारों के चंगुल से पूरी तरह मुक्त होकर आत्मनिर्भ-रता की राह पर अग्रसर हुई हैं।

इस मिशन का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण परिवारों की वार्षिक आय में स्थायी वृद्धि करते हुए महिलाओं को 'लखपति दीदी' की श्रेणी में लाना है। इसके लिए प्रति परिवार न्यूनतम एक लाख रुपये की वार्षिक आमदनी सुनिश्चित करने का रोडमैप तैयार किया गया है। वित्तीय साक्षरता, कौशल विकास प्रशिक्षण और उद्यम स्थापना के माध्यम से महिलाओं को आय के विविध स्रोतों से जोड़ा जा रहा है।

बलरामपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका स्रोतों को बढ़ाने के प्रयासों के तहत कृषि और गैर-कृषि दोनों क्षेत्रों में विविध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। समूह से जुड़ी महिलाएं आधुनिक कृषि पद्धतियों, पशुपालन, डेयरी संचालन के साथ-साथ सिलाई-कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर, किराना व्यवसाय, दोना-पत्तल निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण और स्थानीय हस्तशिल्प जैसे सूक्ष्म उद्यमों का सफलतापूर्वक प्रबंधन कर रही हैं। जनपद के सदर विकास खंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत हंसुआडोल की निवासी शीतला देवी का उदाहरण इस मिशन की सफलता की एक मिसाल है। लगभग दो वर्ष पूर्व स्वयं सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने वित्तीय सहायता के रूप में लगभग 70 हजार रुपये की धनराशि प्राप्त की थी। इस पूंजी से उन्होंने अपने परिवार के सहयोग से किराना दुकान एवं ब्यूटी पार्लर का कार्य प्रारंभ किया। उद्यम में निरंतर प्रगति के उपरांत शीतला देवी ने आधुनिक दोना-पत्तल निर्माण मशीन स्थापित कर अपने व्यवसाय का विस्तार किया। आज उनका उद्यम न केवल उनके पारिवारिक जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में सफल रहा है, बल्कि उन्होंने गांव के चार अन्य व्यक्तियों को भी अपने यहां नियमित रोजगार उपलब्ध कराया है। शीतला देवी आज पूरे जनपद में एक सफल और अनुकरणीय 'लखपति दीदी' के रूप में पहचानी जा रही हैं।

जनपद में स्थापित 13,524 समूहों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था का स्वरूप बदल रहा है। जिला प्रशासन द्वारा स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठनों और संकुल स्तरीय संघों का सुदृढ़ नेटवर्क तैयार किया गया है, जिससे अंतिम पायदान पर खड़ी महिला तक विकास योजनाओं और वित्तीय सेवाओं की सीधी पहुंच सुनिश्चित हो रही है। प्रदेश स्तर पर शुरू की गई नवाचारी पहलों का भी जनपद में प्रभावी क्रियान्वयन देखने को मिल रहा है। समूह की महिलाओं को बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट और विद्युत सखी जैसी विशिष्ट जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। ये दीदियां घर-घर जाकर डिजिटल वित्तीय सेवाएं, पेंशन वितरण, छात्रवृत्ति निकासी और बिजली बिल वितरण एवं राजस्व संग्रह जैसे कार्यों का संपादन कुशलतापूर्वक कर रही हैं।

डिजिटल सेवाओं के विस्तार से जहां एक ओर सुदूर ग्रामीणों को उनके घर पर ही पारदर्शी बैंकिंग सेवाएं मिल रही हैं, वहीं दूसरी ओर इन सेवाओं से जुड़ी महिलाओं को नियमित लाभांश और मानदेय के रूप में सम्मानजनक आय प्राप्त हो रही है। इससे उनके पारिवारिक निर्णय लेने के अधिकार और सामाजिक प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

उद्यमिता विकास के अंतर्गत महिलाओं को विपणन की आधुनिक तकनीकों और उत्पाद पैकेजिंग से भी परिचित कराया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेलों, प्रदर्शनियों और विशेष बिक्री केंद्रों की व्यवस्था की जा रही है, जिससे ग्रामीण उत्पादों का उचित मूल्य सीधे महिला उत्पादकों को मिल रहा है।

आर्थिक स्वावलंबन ने बलरामपुर की महिलाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामूहिकता की भावना का विकास किया है। अब महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता जैसे पारिवारिक एवं सामुदायिक विषयों पर सक्रिय होकर निर्णय ले रही हैं।

एमएसई को सरकारी खरीद और पीएसयू से जोड़ने के लिए दो दिवसीय वेण्डर विकास कार्यक्रम का शुभारंभ

जेम पर अब तक करीब 20 लाख करोड़ रुपये की खरीद

कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) को सरकारी खरीद और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) से जोड़ने के उद्देश्य से गुरुवार को गोमती नगर स्थित पीएचडी हाउस में दो दिवसीय "वेण्डर विकास कार्यक्रम-2026" का शुभारंभ हुआ। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के एमएसएमई-विकास कार्यालय, कानपुर और पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI), लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में 200 से

अधिक उद्यमियों, औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों और विभिन्न सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन सचिव प्रांजल यादव ने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक तंत्र में एमएसएमई की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। राज्य में 100 उद्योगों में 98 से अधिक एमएसएमई हैं और करीब 90 प्रतिशत इकाइयां सूक्ष्म उद्यम हैं।

प्रदेश के औद्योगिक विकास में एमएसएमई की भूमिका अहम: सचिव प्रांजल यादव

पीएसयू और एमएसई के बीच बी2बी मीट में खरीद एवं कारोबारी अवसरों पर सीधा संवाद

जेम पर वेंडर पंजीकरण और सरकारी खरीद प्रक्रिया की दी गई जानकारी, 20 से अधिक स्टॉल में एमएसएमई और पीएसयू ने प्रदर्शित किए उत्पाद एवं तकनीक

25 प्रतिशत खरीद का लक्ष्य निर्धारित

एमएसएमई-विकास कार्यालय, कानपुर के निदेशक वी.के. वर्मा, IEDS ने कहा कि सरकारी खरीद में एमएसई की भागीदारी बढ़ाने के लिए 25 प्रतिशत खरीद का लक्ष्य निर्धारित है। विभिन्न सीपीएसई द्वारा एमएसई से खरीद किए जाने से छोटे उद्यमों के लिए बड़े कारोबारी अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने उद्यमियों से वेण्डर पंजीकरण और खरीद प्रक्रियाओं को समझकर इन अवसरों का लाभ उठाने की अपील की। GeM के यूपी स्टेट नोडल एवं डिप्टी सीईओ कृष्ण मुरारी, IRSS ने बताया कि वर्ष 2017 में लॉन्च होने के बाद GeM पर करीब 20 लाख करोड़ रुपये की खरीद हो चुकी है, जिसमें एमएसई की हिस्सेदारी लगभग 45 प्रतिशत यानी करीब नौ लाख करोड़ रुपये है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी करीब एक लाख करोड़ रुपये की खरीद की गई है। उन्होंने कहा कि करीब 25 हजार नए वेंडर पंजीकृत हुए हैं और एमएसई की भागीदारी बढ़ाने में यूपी एमएसएमई विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पावर ग्रिड में एमएसई से करीब 70 प्रतिशत खरीद, 250 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार,लखनऊ की आउटसोर्सिंग में 25 प्रतिशत वृद्धि, गुणवत्ता और समयबद्ध आपूर्ति जरूरी

एलिम्को की जरूरतों के अनुरूप उत्पादन क्षमता विकसित करें एमएसई, गुणवत्ता, मानकीकरण और आधुनिक पैकेजिंग से बढ़ेगी एमएसई उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता

प्रयागराज में 26 साल की महिला की गला रेतकर हत्या

किराए के कमरे में खून से लथपथ लाश मिली

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज के गुरुवार को घर के भीतर 26 वर्षीय महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। महिला का शव किराए के कमरे में पड़ा मिला। घटना के समय महिला घर में अकेली थी।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फील्ड यूनिट के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। घटना सरायइनायत के हनुमानगंज की है। मृतका की पहचान उषा के रूप में हुई है। वह जौनपुर की रहने वाली थी। उसका पति दिनेश कुमार मूल रूप से प्रयागराज के उतरांव का रहने वाला है। वह मुंबई में आटो रिक्शा चालक था। करीब पांच साल पूर्व मुंबई में ऊषा से उसकी मुलाकात हुई। दोनों ने लव मैरिज की थी। 11 अगस्त को कोटवां रोड

उषा, मृतक

जैतपुर गांव निवासी अनिल स्वर्णकार के घर के दूसरी मंजिल पर किराए का कमरा लेकर दोनों रहने लगे। इनकी चार वर्षीय बेटी स्वीटी है। पुलिस के मुताबिक, घटना के समय उषा घर में अकेली थी। सुबह 11:00 के करीब उसकी बेटी की जोर-जोर से रोने की आवाज आई तो पड़ोसी पहुंचे। उन्होंने देखा कि उषा खून से लथपथ मृत पड़ी हुई थी।

महिला की डेड बॉडी घर में पड़े होने की सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। महिला के गले पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। प्रथम दृष्टया गला रेतकर हत्या किए जाने की बात सामने आई है।

फास्ट न्यूज

11वीं के छात्र को शिक्षिका से हुआ प्यार

आगरा। आगरा में एक निजी स्कूल की शिक्षिका और 11वीं कक्षा के छात्र के एक साथ घर से चले जाने का मामला सामने आया है। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की और बुधवार रात शिक्षिका को मथुरा तथा छात्र को दिल्ली से बरामद कर लिया। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार छात्र और शिक्षिका के बीच पिछले कुछ समय से बातचीत बढ़ गई थी। परिवार के लोगों की डांट-फटकार के बाद छात्र अपनी बातें शिक्षिका से साझा करता था।

महानगर में आदर्श व्यापारी एसोसिएशन की बैठक संपन्न

लखनऊ । आदर्श व्यापारी एसोसिएशन की लखनऊ महानगर की एक महत्वपूर्ण बैठक आज भरत नगर, मड़ियांव में सम्पन्न हुई। बैठक में आदर्श व्यापारी एसोसिएशन के सैकड़ों पदाधिकारियों की उपस्थिति में संगठन को विस्तार देने के क्रम में सर्राफा कारोबारी अंकित सोनी को सर्व सम्मति से भरतनगर इकाई का अध्यक्ष चुना गया। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने प्रदेश के सर्राफा व्यापारियों की जान एवं माल की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की और प्रदेश सरकार से मांग की कि सर्राफा व्यापारियों को तत्काल प्रभाव से शस्त्र लाइसेंस प्राथमिकता के आधार पर जारी किए जाएं।

बाराबंकी में बारिश से सीएचसी में जलभराव

बाराबंकी। जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण हैदरगढ़ तहसील क्षेत्र के त्रिवेदीगंज विकासखंड कार्यालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) परिसर में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। बारिश का पानी दोनों परिसरों में चारों ओर जमा हो गया है, जिससे जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

एमएससी छात्रा की प्रेमी के बाथरूम से मिली लाश

कॉलेज के लिए निकली थी इकलौती बेटी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में 3 दिन से लापता MSC छात्रा की लाश गुरुवार दोपहर डेढ़ बजे प्रेमी के बाथरूम से मिली। बेटी का पता लगाते हुए मां प्रेमी के कमरे तक पहुंचीं। उन्होंने जैसे ही गेट खोला, तेज बदबू आने लगी। अंदर बाथरूम में देखा तो बेटी की सड़ी-गली लाश मिली। छात्रा की मां ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी।

छात्रा की मां ने पुलिस को बताया- 17 अगस्त को बेटी कॉलेज गई थी, लेकिन वापस नहीं आई। काफी तलाशने के बाद जब कुछ पता नहीं चला तो थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने छात्रा के मोबाइल को सर्विलांस पर लगाया तो लोकेशन बच्छांव में मालवीय इंटर कॉलेज के पास मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो कमरे का गेट नहीं

श्रेया उपाध्याय मृतक

खुला। शुक्रवार सुबह छात्रा की मां उसके प्रेमी के ननिहाल पहुंचीं। वहां से उन्हें कमरे की चाबी मिली। इसके बाद वह दोबारा लोकेशन वाली जगह पर पहुंचीं तो घटना का पता चला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्रा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया है। वहीं, छात्रा का प्रेमी फरार है। घटना रोहनिया इलाके की है। छात्रा की पहचान श्रेया उपाध्याय पुत्री सुनील उपाध्याय के रूप में हुई है। राजातालाब के मरुई-जमुनी गांव के रहने वाले सुनील अपने घर से करीब 4 किमी दूर चंदापुर में कपड़े की दुकान चलाते हैं।

आईटीआई को उद्योगों से जोड़कर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाएं : मुख्यमंत्री

'अनुदेशकों की चयन प्रक्रिया में तेजी लाएं'

मुख्यमंत्री का निर्देश, नियमित नियुक्ति में वेटेज का प्रावधान भी हो

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि आईटीआई को अधिक से अधिक उद्योगों से जोड़ा जाए। उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण विकसित करने के साथ ही अप्रेंटिसशिप तथा ऑन-जॉब प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जाए, ताकि प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कौशल विकास को रोजगार के साथ वैश्विक अवसरों से भी जोड़ा जाए। आईटीआई और उद्योगों के बीच निरंतर संवाद की व्यवस्था होनी चाहिए और प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर नियमित रोजगार मेलों का आयोजन किया जाए। मुख्यमंत्री ने सेंटर फॉर इनोवेशन, इन्वेंशन, इन्क्यूबेशन एंड ट्रेनिंग (सीआई-आईआईटी) केंद्रों की प्रगति की समीक्षा करते हुए गोरखपुर, मुजफ्फरनगर और बरेली केंद्रों का संचालन शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों को आधुनिक तकनीक और उद्योग आधारित प्रशिक्षण के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। बैठक में बताया गया कि टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 150 राजकीय आईटीआई के उन्नयन का कार्य किया जा रहा है, जबकि 62 अन्य आईटीआई के उन्नयन की प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। उद्योगों के सहयोग से 37 राजकीय आईटीआई में एडवांस स्किल लैब स्थापित की गई हैं। बैठक में बताया गया कि प्रशिक्षणार्थियों के लिए कार्यस्थल पर हिंदी की आधिकारिक शब्दावली और प्रयोग से संबंधित प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है तथा प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है। जापान और जर्मनी जैसे देशों में कुशल जनशक्ति की मांग को देखते हुए विदेशी भाषाओं का डिजिटल प्रशिक्षण शुरू करने के लिए कंपनियों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री ने जीरो पॉवर्टी अभियान से जुड़े परिवारों के बच्चों और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

2,406 अनुदेशक पदों पर चयन

मुख्यमंत्री ने अनुदेशकों की उपलब्धता को प्रशिक्षण की गुणवत्ता के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए चयन प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चयनित अनुदेशकों को नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया में उनके अनुभव और कार्य के आधार पर वेटेज देने का प्रावधान किया जाए। बैठक में बताया गया कि 2,406 अनुदेशक पदों पर चयन किया गया है और 2,200 से अधिक चयनित अनुदेशक कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं।

प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर नियमित रोजगार मेलों का आयोजन सुनिश्चित करें
- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा, भाषा प्रशिक्षण को मजबूत कर युवाओं को वैश्विक रोजगार के लिए तैयार करें

मुख्यमंत्री के निर्देश, जीरो पॉवर्टी अभियान से जुड़े परिवारों के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ें

योगी सरकार की उत्कृष्ट कार्यशैली का असर

मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य को सुरक्षित करने में असरदार साबित हो रही डबल इंजन सरकार की जननी सुरक्षा योजना

संस्थागत प्रसव बढ़ने से मातृ मृत्युदर में आई बड़ी गिरावट

मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य को सुरक्षित करने में असरदार साबित हो रही डबल इंजन सरकार की जननी सुरक्षा योजना

योगी सरकार प्रसव से जुड़े खर्चों में आर्थिक सहायता और महिलाओं को सुरक्षित प्रसव सेवाओं तक पहुंचाने के लिए करती है प्रेरित

प्रदेश के कई जिलों ने किया उत्कृष्ट कार्य, बीती 1 अप्रैल से 9 अगस्त तक हुए सात लाख से अधिक संस्थागत प्रसव

"किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) की स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अंजू अग्रवाल के अनुसार संस्थागत प्रसव केवल प्रसव की जगह बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मां और नवजात दोनों की सुरक्षा से सीधे जुड़ा है। अस्पताल में प्रसव होने पर प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं की समय रहते पहचान और उपचार संभव होता है।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार की ओर से संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और प्रसव के दौरान मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) उत्तर प्रदेश में लगातार असरदार साबित हो रही है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल से 9 अगस्त तक सात लाख से अधिक संस्थागत प्रसव इसका उदाहरण हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक कई जिलों में योजना के बेहतर क्रियान्वयन का असर दिखाई दे रहा है। योगी सरकार के इन प्रयासों से मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) को कम करने में सफलता मिल रही है। योजना से मिलने वाली धनराशि प्रसव से जुड़े खर्चों में मदद करती है और महिलाओं को सुरक्षित प्रसव सेवाओं तक पहुंचने के लिए प्रेरित करती है। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में योजना के बेहतर प्रदर्शन से स्पष्ट है कि संस्थागत प्रसव को लेकर जागरूकता बढ़ रही है।

योजना का लाभ अधिक से अधिक महिलाओं तक पहुंचाने में आशा कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका

जरूरत पड़ने पर प्रशिक्षित चिकित्सक, स्टाफ नर्स, दवाएं, रक्त की उपलब्धता और आपातकालीन सेवाएं भी दी जाती हैं। इससे मातृ एवं नवजात मृत्यु के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है।

जननी सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को दी जाती है आर्थिक सहायता

सचिव स्वास्थ्य एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि योगी सरकार की ओर से सुरक्षित प्रसव पर जननी सुरक्षा योजना के तहत सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में गर्भवती महिलाओं को प्रसव पर आर्थिक सहायता (ग्रामीण क्षेत्र में 1,400 रुपए और शहरी क्षेत्र में 1,000 रुपए) दी जाती है। इसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को घर पर प्रसव के बजाय अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव कराने के लिए प्रोत्साहित करना है।

विधवा पेंशन के लिए 380 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय व्यवस्था

निराश्रित महिलाओं को मिलेगा सहारा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की निराश्रित एवं विधवा महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा देने वाली इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना को लेकर योगी सरकार ने वित्तीय व्यवस्था सुनिश्चित की है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के तहत 380 करोड़ 15 लाख 74 हजार रुपये की धनराशि की व्यवस्था की गई है। यह राशि भारत सरकार से प्राप्त केंद्रांश (मदर सैंक्शन) के उपयोग के लिए नवीन लेखाशीर्षक यानी नए बजट हेड में उपलब्ध कराई गई है। इस संबंध में महिला कल्याण विभाग द्वारा शासनादेश जारी किया गया है।

इसमें स्पष्ट किया गया है कि केंद्र सरकार से प्राप्त मदर सैंक्शन की धनराशि का उपयोग चालू वित्तीय वर्ष में योजना के अंतर्गत किया जाएगा। इस वित्तीय व्यवस्था का उद्देश्य योजना के अंतर्गत पात्र निराश्रित और विधवा महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए पेंशन संबंधी खर्च को सुचारु बनाए रखना है।

- तीन मदों में स्वीकृत हुई धनराशि, यूपी में विधवा पेंशन योजना के संचालन को मिलेगी और मजबूती
- सीएम योगी के मार्गदर्शन में महिला कल्याण विभाग ने जारी किया शासनादेश
- कोई पात्र महिला पेंशन के लाभ से वंचित न रहे, समयबद्ध मिले सहायताः अपर मुख्य सचिव
- महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता योगी सरकार की प्राथमिकता, वित्तीय नियमों के तहत होगा खर्च

समीक्षा : प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को समय से मिले छात्रवृत्ति, 02 अक्टूबर तक भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश

सर्वोदय विद्यालयों के संचालन में व्यापक बदलाव की जरूरत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में सुव्यवस्थित संचालन के लिए व्यापक बदलाव की जरूरत बताई है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि विद्यालयों से जुड़ी सुस्पष्ट नियमावली तैयार करने, शिक्षकों के रिक्त पदों पर चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा एक सोसाइटी के गठन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि इन आवासीय विद्यालयों का प्रबंधन और संचालन अधिक व्यवस्थित ढंग से हो सके।

गुरुवार को समाज कल्याण विभाग के माननीय मंत्री असीम अरुण की उपस्थिति में विभाग की

समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने विद्यालयों में शिक्षकों और अन्य आवश्यक स्टाफ की उपलब्धता, विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं तथा प्रबंधन व्यवस्था की जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में 93 जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय संचालित थे, जबकि वर्ष 2025-26 तक इनकी संख्या बढ़कर 103 हो गई है। इनमें 59 विद्यालय सीबीएसई तथा 44 विद्यालय यूपी बोर्ड से संबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। साथ ही विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराने और योजना की पहुंच तथा प्रभावशीलता को और बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने तथा श्रेष्ठ शिक्षकों और विशेषज्ञों के अनुभव का अधिक से अधिक विद्यार्थियों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

सुस्पष्ट नियमावली के साथ प्रभावी प्रबंधन व्यवस्था बने: मुख्यमंत्री

पात्र वृद्धजनों को पेंशन के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े, लंबित आवेदनों का सत्यापन कर शीघ्र लाभ दिलाएंः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना को और प्रभावी बनाने पर जोर, युवाओं को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश

प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को समय से मिले छात्रवृत्ति, 02 अक्टूबर तक भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने की समाज कल्याण विभाग की समीक्षा, दिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

वर्तमान में लगभग 11.50 लाख नए आवेदन लंबित

बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वृद्धावस्था पेंशन के लिए पात्र किंतु अब तक वंचित वृद्धजनों के आवेदनों का सत्यापन कराते हुए यथाशीघ्र उन्हें पेंशन से लाभान्वित कराया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र वृद्धजनों को अनावश्यक रूप से प्रतीक्षा न करनी पड़े और आवेदन के सत्यापन से लेकर पेंशन स्वीकृति तक की प्रक्रिया समयबद्ध हो। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत वर्ष 2017-18 में 37.47 लाख लाभार्थियों की संख्या बढ़कर वर्ष 2025-26 में 67.50 लाख हो गई है। वर्तमान में लगभग 11.50 लाख नए आवेदन लंबित हैं।

ओबीसी बेटियों की शादी का सहारा बनी योगी सरकार

शादी अनुदान योजना के तहत अब तक 96 हजार से अधिक आवेदन

सहायता

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों के लिए सहारा बन रही हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक मदद देने के लिए संचालित शादी अनुदान योजना के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 30 हजार से अधिक लाभार्थियों को लाभ दिया जा चुका है। सरकार की इस पहल से बेटियों के विवाह से जुड़ी आर्थिक जिम्मेदारियों को कम करने में मदद

मिल रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के तहत 1 लाख 5 हजार पात्र लाभार्थियों को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 210 करोड़ रुपये का वार्षिक लक्ष्य रखा गया है, जिसके सापेक्ष अब तक 106.65 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की जा चुकी है। योजना के अंतर्गत अब तक 96,956 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 12,855 आवेदन निरस्त किये गए हैं। आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 30,466 लाभार्थियों को 60.93 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया जा चुका है। यह आवंटित धनराशि का करीब 57.13 प्रतिशत है। सरकार का लक्ष्य है कि पात्र परिवारों को समयबद्ध तरीके से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें बेटी के विवाह के लिए आर्थिक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

शादी अनुदान योजना के तहत प्रत्येक पात्र परिवार को बेटी के विवाह के लिए 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह धनराशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है।

आयुषी यादव हत्याकांड : मां-बाप को उम्रकैद

बेटी ने लव मैरिज की थी, घर में गोली मारी, लाश सूटकेस में भरकर मथुरा में फेंकी

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के चर्चित आयुषी यादव हत्याकांड में मां-बाप को उम्रकैद की सजा हुई है। मथुरा कोर्ट ने 4 साल बाद बुधवार को फैसला सुनाया। कोर्ट में आयुषी के पिता नितेश यादव ने अपनी सफाई में सिर्फ इतना कहा कि बेटी की हत्या मैंने की थी, पत्नी का दोष नहीं है। फिर चुप हो गए। मां सिर झुकाए खड़ी रहीं। जज ने फैसला सुनाते हुए कहा- बेटी की हत्या का अपराध अत्यन्त क्रूर और वीभत्स की श्रेणी में आता है। इसलिए, दोषियों पर नम्र रुख अपनाने का कोई आधार नहीं है। अगर दोषी को दंडित नहीं किया तो समाज में गलत संदेश जाएगा।

22 साल की इकलौती बेटी आयुषी की 4 साल पहले पिता नितेश यादव ने दिल्ली स्थित अपने घर में रिवॉल्वर से गोली मारकर हत्या कर दी थी। वजह सिर्फ इतनी थी कि आयुषी ने राजस्थान के युवक से चुपके से लव मैरिज कर ली थी। हत्या के बाद पिता ने शव को लाल सूटकेस में भरकर 150 किलोमीटर दूर मथुरा के पास यमुना एक्सप्रेस-वे पर फेंक दिया था। इसमें आयुषी की मां ब्रजवाला ने उनका साथ दिया था। शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। मथुरा पुलिस मां ब्रजवाला और आयुषी के भाई आयुष को मथुरा लेकर आई। दोनों ने आयुषी की पहचान की थी। बाद में पुलिस ने मां-बाप को गिरफ्तार किया था। पिता की दिल्ली में दुकान थी। सरकारी वकील मुकेश गोस्वामी ने कहा-पुलिस ने

बीसीए में पढ़ रही थी, दूसरी जाति के लड़के से की थी शादी

आयुषी दिल्ली के बदरपुर की रहने वाली थी। साल 2022 में वह ग्लोबल कॉलेज से BCA की पढ़ाई कर रही थी। उसने NEET परीक्षा पास की थी, लेकिन काउंसिलिंग में शामिल नहीं हुई। मां-बाप ने उसे काउंसिलिंग में शामिल होने के लिए काफी समझाया, लेकिन नहीं मानी। आयुषी ने भरतपुर (राजस्थान) के रहने वाले छत्रपाल राजपूत से आर्य समाज मंदिर में चुपचाप शादी कर ली थी। मां-बाप इस शादी के पक्ष में नहीं थे। वारदात के बाद पिता ने पुलिस पूछताछ में बताया था कि आयुषी उनकी हर बात का विरोध करने लगी थी। 17 नवंबर, 2022 को दोपहर आयुषी का मां से झगड़ा हुआ। पिता को पता चला तो उन्होंने आयुषी को समझाया। वह नहीं मानी तो पिता ने गुस्से में लाइसेंसी रिवॉल्वर से उस पर गोली चला दी।

जांच के बाद नितेश यादव और ब्रजवाला के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष ने गवाहों के बयान और केस से जुड़े सबूत कोर्ट के सामने रखे।

उस वक्त कुछ इस तरह से सूटकेस में लाश को रखा गया था।

दुकान से पॉलिथीन लाए और शव सूटकेस में पैक किया था

बेटी की हत्या के बाद मां-बाप घबरा गए। वह शव को ठिकाने लगाने में जुट गए। पिता घर के पास की दुकान से पॉलिथीन खरीदकर लाए। दोपहर में उसके शव को सूटकेस में पैक किया। देर रात 3 बजे सूटकेस कार में रखा।

विनीत राय हत्याकांड के 3 आरोपियों की जमानत खारिज

गाजीपुर में शंकर पांडेय के दोनों भाई भी शामिल

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर। गाजीपुर के चर्चित विनीत राय हत्याकांड में कटरा गैंग के सरगना शंकर पांडेय के दो भाइयों समेत तीन आरोपियों को कोर्ट से राहत नहीं मिली। अपर सत्र न्यायाधीश शक्ति सिंह की अदालत ने सुमित पांडेय, सत्यप्रकाश पांडेय उर्फ मुनि और रहमान अली उर्फ गोल्डेन की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। जमानत निरस्त होने के बाद तीनों को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। हत्याकांड के बाद पुलिस ने नामजद और जांच में सामने आए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई तेज की थी। पुलिस ने 16 जून को शिवम दुबे और रहमान अली उर्फ गोल्डेन को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके बाद 25 जून को शंकर पांडेय के पिता रविशंकर पांडेय को गिरफ्तार किया गया। 29 जून को शंकर पांडेय के दोनों भाई सुमित पांडेय और सत्यप्रकाश पांडेय उर्फ मुनि को भी गिरफ्तार कर लिया गया। मामला 30 मई की रात का है। होटल बिंदु के मालिक आलोक राय के बेटे विनीत राय की होटल के मुख्य गेट के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। परिजनों की शिकायत पर कटरा गैंग के सरगना शंकर पांडेय समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई थीं।

जांच के दौरान कमलेश चौधरी उर्फ कमलेश बिंद पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। इसके बाद पुलिस ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ उनके सहयोगियों और उनसे जुड़े लोगों पर भी शिकंजा कसना शुरू किया।

फास्ट न्यूज

शीतला माता मंदिर तक पहुंचा पानी

वाराणसी। वाराणसी में गुरुवार सुबह से आसमान में बादल छाए रहे। बीच-बीच में हल्की बूंदाबांदी हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विज्ञानी प्रो. मनोज श्रीवास्तव के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बना निम्नदबाव का क्षेत्र कमजोर पड़ गया है। इसके चलते तेज बारिश का पूर्वानुमान सही नहीं रहा। फिलहाल वाराणसी में तेज बारिश की संभावना कम है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कार पेड़ से टकराई, पति-पत्नी घायल

बाराबंकी। बाराबंकी में देवा-फतेहपुर मार्ग पर गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार पति-पत्नी घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने कार में फंसे दोनों घायलों को बाहर निकाला और पुलिस-एंबुलेंस को सूचना दी। जानकारी के मुताबिक, पति-पत्नी फतेहपुर से बाराबंकी इलाज के लिए आ रहे थे। देवा-फतेहपुर मार्ग पर अचानक कार अनियंत्रित हो गई।

गोरखपुर में बस में यात्री की मौत

सहजनवां। गोरखपुर के गीडा थाना क्षेत्र में ईदौर से आ रही ट्रैवल बस में एक यात्री की मौत हो गई। बस गोरखपुर पहुंचने के बाद सभी यात्री उतर गए। इसके बाद सफाई के दौरान चालक ने एक यात्री को सीट पर अचेत देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान महराजगंज के नौतनवा थाना क्षेत्र के चकदह गांव निवासी अब्दुल (28) के रूप में हुई है।

छात्र के पेट से आरपार हुई 7 फीट की लाठी

गिल्ली-डंडा खेलते समय बाउंड्री से गिरा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में हाईस्कूल के एक छात्र के पेट में घुसी 7 फीट की लाठी को ऑपरेशन करके निकाल दिया गया। डॉक्टरों की टीम ने सर्जरी के दौरान पहले ग्राइंडर से लाठी के टुकड़े किए। उसके बाद करीब साढ़े चार घंटे चले ऑपरेशन के बाद उसे 1-1 इंच करके बाहर निकाला। छात्र गिल्ली-डंडा खेलते समय कॉलेज की बाउंड्री से गिर गया था। वहां पर रखी उसके पेट में घुसकर आरपार हो गई थी। ऑपरेशन के बाद स्वस्थ्य होने पर उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। छात्र कन्नौज का रहने वाला है। घटना 31 जुलाई की है। ऑपरेशन के बाद 19 अगस्त को उसे डिस्चार्ज किया गया।ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर बृजेश यादव ने बताया-मरीज के शरीर से बाहर दिख रहे लाठी के हिस्से को ग्राइंडर से काटा। इसके बाद लाठी को 1-1 इंच करके धीरे-धीरे बाहर निकाला गया। लाठी जैसे-जैसे बाहर निकलती गई, अंदर डैमेज हुए अंगों को साथ के साथ रिपेयर किया जाता रहा।

कन्नौज के तालग्राम के निकवां गांव के रहने वाले शिवपाल यादव ट्रक ड्राइवर हैं। परिवार में पत्नी विनीता यादव और तीन बच्चे हैं। उनमें सबसे बड़ा विशाल (19), उसके बाद आकाश (12) और सबसे छोटी बेटी अनामिका (6) है। विशाल हाईस्कूल का छात्र है।

युवक वृंदावन में तीन सवारियों को बैठाकर लगाता रहा न्याय की गुहार, एसएसपी ने लिया एक्शन

बाइक के टायर में सूजा मारने वाला पुलिसकर्मी सस्पेंड

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा-वृंदावन में यातायात व्यवस्था संभालने के लिए ट्रैफिक पुलिस की एक कार्रवाई सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। वायरल वीडियो में एक पुलिसकर्मी बाइक के टायर में नुकीला औजार यानी सूजा मारकर उसे पंचर करता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिसकर्मी ने बाइक के टायर में एक-दो नहीं, बल्कि तीन बार सूजा मारा।

इस दौरान बाइक सवार पुलिसकर्मी से उसे छोड़ने की गुहार लगाता रहा, लेकिन उसकी बात नहीं सुनी गई।

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठा रहे हैं।

रमण रेती चौकी के सामने का बताया जा रहा वीडियो

सामने आया वीडियो रमण रेती पुलिस चौकी के सामने का बताया जा रहा है। वीडियो में एक बाइक सवार दो लोगों को बैठाकर जाता दिखाई देता है। चौकी के सामने पहुंचते ही एक पुलिसकर्मी उसे रोक लेता है। इसके बाद पुलिसकर्मी बाइक के आगे और पीछे के टायर में नुकीला औजार मारना शुरू कर देता है। बाइक सवार युवक को छोड़ने की गुहार लगाता रहता है, लेकिन पुलिसकर्मी लगातार टायर को पंचर करता रहता है।

तीन बार सूजा मारने का दावा

वीडियो में पुलिसकर्मी द्वारा बाइक के टायर में बार-बार नुकीला औजार मारते हुए दिखाई देने के बाद पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद एसएसपी ने एक्शन लिया है। सीओ सदर वरुण मिश्रा ने बताया कि यह कृत्य वृंदावन थाने में तैनात मुख्य आरक्षी सुनील कुमार यादव ने किया था। मामले की जांच रिपोर्ट अधिकारियों को भेज दी गई है। उन्होंने बताया- मुख्य आरक्षी सुनील कुमार यादव को सस्पेंड कर दिया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सीओ सदर वरुण मिश्रा ने बताया कि वृंदावन थाने में तैनात मुख्य आरक्षी सुनील कुमार यादव ने किया था। मामले की जांच रिपोर्ट अधिकारियों को भेज दी गई है। एसएसपी मथुरा ने मुख्य आरक्षी सुनील कुमार यादव को निलंबित कर दिया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लोगों का कहना है कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर चालान या नियमानुसार कार्रवाई का प्रावधान है, लेकिन इस तरह टायर पंचर करना कितना उचित है, इसकी जांच होनी चाहिए।

एक X पोस्ट में तंज कसते हुए लिखा गया- 'यूपी पुलिस ने नई टेक्नोलॉजी के जरिए ट्रैफिक नियमों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई के लिए, नुकीला यंत्र तैयार किया है।

दादी समेत 3 की मौत, झांसी में ट्रक ने 200 मीटर घसीटा, शवों के टुकड़े बिखरे

4 साल के मासूम पर ट्रक चढ़ा, सिर कटकर अलग

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार एक परिवार को रौंद दिया। हादसे में महिला, उसके 4 साल के पोते समेत 3 लोगों की मौत हो गई। पति की हालत नाजुक है। हादसा बुधवार रात 8:30 बजे जिला मुख्यालय से 30 किमी दूर बबीना थाना क्षेत्र में हुआ।

टक्कर के बाद ट्रक बाइक को 200 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। 4 साल का बच्चा संस्कार उर्फ भानू (4) बाइक पर सबसे आगे बैठा था। ट्रक का पहिया उसके ऊपर से गुजर गया। सिर और एक पैर धड़ से अलग हो गए। दादी उर्मिला का सिर कुचल गया। दोनों की मौके पर मौत हो गई। शवों के टुकड़े 50 मीटर तक बिखर गए।हादसे में बच्चे के दादा आनंद रजक (48) और बाइक चला रहे पड़ोसी रविंद्र पाल (21) घायल हो गए। दोनों को मेडिकल कॉलेज लाया गया। इलाज के दौरान बुधवार रात 12 बजे रविंद्र ने दम तोड़ दिया। उर्मिला की बेटी की डिलीवरी हुई थी। वह बेटी और अपनी नातिन को देखकर लौट रही थीं, तभी ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी हादसे के बाद अस्पताल में बच्चे की लाश देखकर पिता बेहोश हो गया।

जिद करके दादी के साथ आया था पोता

आनंद रजक बबीना थाना क्षेत्र के चंदौली गांव में रहते हैं। वह खेती-किसानी के साथ मजदूरी करते हैं। उनके एक बेटा और 3 बेटियां हैं। महेंद्र, खुशबू और शिवानी की शादी हो चुकी है, जबकि दीक्षा की शादी नहीं हुई है। आनंद के भाई फूलसिंह ने बताया- शिवानी की शादी नोनेर गांव में हुई थी।

शिवानी गर्भवती थी। प्रसव पीड़ा होने पर उसे मेडिकल कॉलेज के पास न्यू टाटा हॉस्पिटल में भर्ती करवाया था। जहां उसने एक बेटी को जन्म दिया। बुधवार को बेटी और नवजात नातिन को देखने के लिए बड़े भाई आनंद, भाभी उर्मिला हॉस्पिटल आए थे।

भाई बाइक नहीं चला पाते थे, इसलिए पड़ोस के गांव सुकुवां निवासी रविंद्र पाल को साथ लाए थे। दादी को जाते देखकर उनका पोता भानू भी साथ चलने की जिद करने लगा।

शाहजहांपुर में हत्यारोपी समीर इदरीसी के घर बुलडोजर एक्शन

प्रेमिका को परेशान करने पर 16 चाकू मारे थे, 50 पुलिसवालों के साथ पहुंचे अफसर

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में गौतम मौर्य हत्याकांड के 21वें दिन हत्यारोपी समीर इदरीसी के अवैध मकान को ढहा दिया गया। मकान गिराने के लिए दो बुलडोजर मंगाए गए थे। एक से ध्वस्तीकरण किया गया, जबकि दूसरा रिजर्व में रखा गया। इससे पहले 15-20 मजदूरों ने मकान के अंदर का हिस्सा तोड़ा।

गुरुवार सुबह 11 बजे प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। सांप्रदायिक तनाव को देखते हुए एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पूरे इलाके को घेर दिया गया था और किसी को आने-जाने से रोक दिया गया। मकान के पास करीब 50 पुलिसकर्मी तैनात रहे।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी समीर और मृतक गौतम एक ही लड़की को पसंद करते थे। लड़की ने गौतम से बातचीत बंद कर समीर से बात करना शुरू कर दिया था। इससे गौतम नाराज था। वह उसे परेशान करता था। प्रेमिका को परेशान करने पर 31 जुलाई की रात समीर और गौतम के बीच बहस हुई थी। आरोप है कि इसी विवाद में समीर ने गौतम मौर्य (20) की हत्या कर दी। पोस्टमॉर्टम में गौतम के शरीर पर चाकू के 16 गहरे निशान मिले थे। वारदात के बाद समीर ने इंस्टाग्राम पर 'मार दिया' स्टेटस भी लगाया था। 1 अगस्त को पुलिस कस्टडी में उसने सिपाही पर चाकू से हमला कर भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसके पैर में गोली मार दी। उसी दिन प्रशासन की टीम ने मकान की नाप कराई। जांच में मकान अवैध मिलने पर नोटिस चस्पा कर 10 अगस्त तक जवाब मांगा गया। मकान करीब 80 गज यानी 720 वर्ग फीट क्षेत्र में बना है। जवाब नहीं मिलने पर परिवार को 5 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद प्रशासन ने गुरुवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी।

पृष्ठ 01 का शेष...

लद्दाख में होगी जम्मू...

हाईकोर्ट की वेबसाइट के मुताबिक, जम्मू कश्मीर राज्य के लिए पूरी तरह से काम करने वाला हाईकोर्ट साल 1928 में बनाया गया था. इससे पहले राज्य के शासक यानी महाराजा ही न्याय करने के मामले में आखिरी अधिकारी होते थे. 1889 में ब्रिटिश सरकार ने राज्य के तत्कालीन शासक महाराजा प्रताप सिंह से एक काउंसिल बनाने का कहा था. काउंसिल के न्यायिक सदस्य के पास दीवानी और फौजदारी दोनों मामलों में अपील सुनने की सभी शक्तियां थीं. राज्य में दो प्रांत थे. जम्मू और कश्मीर.

वहां मुख्य न्यायाधीश न्यायिक अधिकार का इस्तेमाल करते थे. वे काउंसिल के कानूनी सदस्य की देखरेख और कंट्रोल करते थे. बाद में इस काउंसिल को खत्म कर दियागया. शासक ने न्यायिक मामलों का फैसला करने के लिए हाईकोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर एक मंत्री को नियुक्त किया. इसके बाद 1927 में राज्य के तत्कालीन शासक ने एक नया संविधान मंजूर किया. कानूनी सदस्य की जगह न्याय विभाग में मंत्रालय स्थापित किया. इसके बाद 26 मार्च 1928 को आदेश संख्या 1 के तहत हाईकोर्ट की स्थापना हुई. महाराजा ने लाल कंवर सेन को कोर्ट पहला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया था.

लद्दाख के लोगों को...

अमित शाह ने अपने पोस्ट में लद्दाख के विकास के साथ संवैधानिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लद्दाख के सर्वांगीण विकास और वहां संवैधानिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

दिल्ली-एनसीआर में...

वहीं, उत्तराखंड में बारिश से जुड़ी घटनाओं में बुधवार को 4 लोगों की मौत हुई। इनमें 2 साल का बच्चा और दिल्ली की 25 साल की महिला भी शामिल है। उधर, हिमाचल प्रदेश में बारिश-लैंड-स्लाइड के कारण 88 सड़कें बंद हैं।

दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार सुबह तेज बारिश हुई। एयरपोर्ट रोड पर द्वारका अंडरपास समेत कई इलाकों में पानी भर गया, जिससे लोगों को मुश्किल हुई।

पुडुचेरी और कराईकल में भारी बारिश हो रही है। भारतीय मौसम विभाग ने आंधी और भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। उत्तराखंड में पिछले 4 दिनों से बारिश का दौर जारी है। आज भी 6 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड और नदी-नालों के अचानक से पानी बढ़ने का खतरा बना हुआ है। एहतियात के तौर आज देहरादून में आंगनबाड़ी केंद्रों से लेकर सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

पूर्व कांग्रेस सांसद...

इसकी सिफारिश पर 24 अक्टूबर 2005 को CBI ने केस दर्ज किया। तब सज्जन कुमार सांसद थे। उन्हें दंगे भड़काने और सिखों की हत्या के मामले में आरोपी बनाया गया।

2010-2013: ट्रायल कोर्ट ने सज्जन कुमार समेत कई आरोपियों को समन किया। 2013 में सज्जन कुमार को बरी किया, जाने के बाद CBI ने हाईकोर्ट में अपील की।

17 दिसंबर 2018: दिल्ली हाईकोर्ट ने पांच सिखों की हत्या के मामले में सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई।

2005: दंगों के 21 साल बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संसद में माफी मांगते हुए कहा था कि इस घटना से उनका सिर शर्म से झुक जाता है। 1984 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिख बहुल इलाकों में दंगे हुए थे। इसमें हजारों लोग मारे गए थे।

1984 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिख बहुल इलाकों में दंगे हुए थे। इसमें हजारों लोग मारे गए थे।

प्रज्ञा मिश्रा ने लिखा...

जब वह बैंक लौटी, तो गेट पर उसके पति ने पहली रिवॉल्वर से गोली चलाई। फिर रिवॉल्वर की बट से चेहरे और सिर पर कई वार किए। पास के सब लोग जान बचाकर भाग गए। फिर दूसरा रिवॉल्वर निकाला और उससे फायर किया। माथे पर उसके बहुत बड़े बड़े होल हैं। दिव्या तुम अब नहीं हो, यह यकीन कर पाना मुश्किल है। दिव्या काश के तुम इतनी सीधी नहीं होती। काश हम आज पूर्णागिरि घूमने चले गए होते।

दिव्या ने एक साल...

दिव्या ने एक साल पहले पति मानस बाजपेई (35) से तलाक के लिए कोर्ट में अपील दायर की थी। इसके बाद से वह आलमबाग में रहती थीं।

मानस बाजपेई हुसड़िया चौराहे के पास अपनी बहन शीवा (28) के साथ किराए के मकान में रहता था। वह SBI की इंजीनियरिंग कॉलेज ब्रांच में फील्ड ऑफिसर था। मानस के माता-पिता की मौत हो चुकी है।

'राम मंदिर निर्माण...

चंपत राय ने चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद 26 जून को महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। 6 जुलाई को ट्रस्ट की बैठक में इस्तीफा मंजूर किया गया था। उसी दिन चंपत राय ने एक लेटर जारी कर ट्रस्टी अनिल मिश्र पर गंभीर आरोप लगाए थे।

चंपत राय ने लिखा- लेटर में लिखा कि 1528 में बाबर की सेनाओं द्वारा राम जन्मभूमि मंदिर तोड़े जाने के बाद अयोध्या के संतों, स्थानीय राजाओं-रियासतों और गृहस्थ समाज की ओर से मंदिर की भूमि हासिल करने के लिए संघर्ष जारी रहा। 1949 में स्थानीय समाज द्वारा उस स्थान पर कब्जा किए जाने के बाद यह संघर्ष समाप्त हुआ।

1950 से 1989 के बीच स्थानीय अदालतों में चार वाद दायर किए गए। इन मुकदमों को वाद दायर करने वालों ने अपने स्तर पर लड़ा। बाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच की तीन सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की। करीब 15 साल चली सुनवाई के दौरान तीनों न्यायाधीशों ने स्वतंत्र रूप से अपने फैसले लिखे और कुल निर्णय करीब 8,500 पन्नों का रहा।

सुप्रीम कोर्ट ने बातचीत के जरिए समाधान निकालने की कोशिश की। तीन सदस्यीय मध्यस्थता समिति बनाई गई थी। मार्च से जुलाई 2019 तक कई दौर की बैठकें हुईं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका।

जंतर-मंतर मामला...

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पैलेटगन इस्तेमाल करने और महिलाओं से बदसलूकी के आरोप लगाए थे। नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जंतर-मंतर पर 36 दिन चला था। 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद यह खत्म हुआ।

पुलिस ने बताया कि संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े और पुलिस से मारपीट की, जिससे प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं रहा। हालात संभालने के लिए बल प्रयोग किया गया था,लेकिन प्रदर्शनकारियों पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया गया।

टीचर ने थप्पड़ मारा,...

आरोप है कि यह सब होमवर्क न करके आने पर बच्चे को शर्मिंदा करने के लिए किया जा रहा था।

पुलिस ने बच्चे की मौत की वजह की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी CCTV फुटेज की जांच कर रहे हैं। यह भी देखा जा रहा है कि बच्चे को पहले से कोई बीमारी थी या नहीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी इंतजार है।

भाजपा राजनीतिक...

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार के कथित कुशासन से किसान, नौजवान, गरीब, मध्यम वर्ग, मजदूर और व्यापारी समेत प्रदेश की बड़ी आबादी परेशान है। उन्होंने भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी और महंगाई को लेकर सरकार को घेरा। अखिलेश यादव ने मोहम्मद आजम खां के खिलाफ कार्रवाई को भी राजनीतिक साजिश बताया। उन्होंने कहा कि पीडीए समाज भाजपा को सत्ता से हटाने का फैसला कर चुका है, इसलिए, सरकार पीडीए समाज का उत्पीड़न कर रही है।

जम्मू कोर्ट ने पुलिस को जांच के आदेश दिए, 3 सितंबर तक रिपोर्ट मांगी

मिथुन मन्हास की जन्मतिथि पर विवाद

जांच

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी

BCCI अध्यक्ष मिथुन मन्हास की जन्मतिथि को लेकर विवाद सामने आया है। जम्मू की स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट कोर्ट ने उनकी जन्मतिथि में कथित हेरफेर के आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने नवाबाद पुलिस को मामले की जांच कर 3 सितंबर 2026 या उससे पहले रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

मिथुन मन्हास जम्मू-कश्मीर से BCCI अध्यक्ष बनने वाले पहले व्यक्ति हैं। उन्हें सितंबर 2025 में इस पद के लिए चुना गया था। पूर्व भारतीय फर्स्ट-क्लास क्रिकेटर मन्हास ने अपने क्रिकेट करियर में जम्मू-कश्मीर और दिल्ली को रिप्रेजेंट किया है। मन्हास ने जम्मू-कश्मीर के लिए अंडर-15, अंडर-16 और अंडर-19 क्रिकेट खेला। उन्होंने तीन साल J&K की अंडर-19 टीम का हिस्सा रहते हुए अच्छा प्रदर्शन किया। 1995 में उन्होंने करीब 750 रन बनाए और देश के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले अंडर-19 बल्लेबाज रहे। इसके बाद उन्हें J&K की टीम की कप्तानी भी मिली।

12वीं की परीक्षा के बाद वे पहली बार कुछ महीनों के लिए दिल्ली आए। उस समय उनकी उम्र 17 साल थी। यहां उन्होंने दिल्ली के प्रीमियर टूर्नामेंट में खेलना शुरू किया।

दो रिकॉर्ड में अलग जन्मतिथि

शिकायत में बताया गया है कि मन्हास की जन्मतिथि अलग-अलग रिकॉर्ड में अलग है। महाराजा हरि सिंह एग्रीकल्चर कॉलेजिएट स्कूल (MHAC), नागबनी के रिकॉर्ड के मुताबिक उनकी जन्मतिथि 9 दिसंबर 1977 है। वहीं, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) वेबसाइट पर यह तारीख 12 अक्टूबर 1979 दर्ज होने का दावा किया गया है।

पूर्व डिप्टी एसपी ने शिकायत की

मामला पूर्व डिप्टी एसपी और जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व संयुक्त मानद सचिव सुदर्शन मेहता की शिकायत के बाद सामने आया। मेहता का आरोप है कि मन्हास ने जूनियर क्रिकेट में राष्ट्रीय स्तर पर खेलने की पात्रता का फायदा लेने के लिए अलग-अलग जगहों पर अलग जन्मतिथि दर्ज कराई।

मेहता ने इसी आधार पर धोखाधड़ी, चीटिंग और जालसाजी से जुड़े मामलों में FIR दर्ज करने की मांग की थी। हालांकि कोर्ट ने अभी FIR का आदेश नहीं दिया है।

दिल्ली को कप्तानी में रणजी ट्रॉफी जिताई

दिल्ली के लिए खेलते हुए मन्हास ने मिडिल ऑर्डर में अपनी जगह मजबूत की। 2001-02 सीजन में उन्होंने पहली बार रणजी ट्रॉफी में 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में जगह बनाई। इसके बाद वे 2006 से 2008 तक दिल्ली रणजी टीम के कप्तान रहे। उनकी कप्तानी में दिल्ली ने 2007-08 रणजी ट्रॉफी जीती। यह दिल्ली का उस समय 16वां रणजी खिताब था।

क्रिकेट में उम्र से जुड़ा विवाद नया नहीं है। जूनियर क्रिकेट में कम उम्र दिखाकर खेलने के आरोपों में कई खिलाड़ी जांच और कार्रवाई का सामना कर चुके हैं।

प्रज्ञानानंदा सिंकफील्ड कप में दूसरे नंबर पर रहे

वेस्ली सो ने खिताब जीता, तान झोंगयी ने दूसरा केन्र्स कप जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के आर प्रज्ञानानंदा सिंकफील्ड कप चेस टूर्नामेंट में खिताब जीतने से चूक गए। क्लासिकल मुकाबलों के बाद प्रज्ञानानंदा और अमेरिका के वेस्ली सो 5.5-5.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर रहे। इसके बाद खिताब के लिए दो रैपिड प्लेऑफ खेली गईं, लेकिन दोनों ड्रॉ रहीं। फिर आर्मगडन में भी मुकाबला ड्रॉ रहा। काले मोहरों से खेलने के कारण सो को विजेता घोषित किया गया। यह वेस्ली सो का तीसरा सिंकफील्ड कप खिताब है। उन्होंने इससे पहले 2016 और 2025 में भी यह टूर्नामेंट जीता था। उन्हें 87,500 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। आर्मागडन में प्रज्ञानानंदा ने सफेद मोहरों से खेला, इसलिए उन्हें जीतना जरूरी था। सो के पास काले मोहरे थे और उनके लिए ड्रॉ पर्याप्त था। मुकाबला ड्रॉ रहा और टाईब्रेक के नियम के अनुसार काले मोहरों से खेलने वाले सो चैंपियन बन गए।

वेस्ली सो पूरे सिंकफील्ड कप में अजेय रहे। उन्होंने 12 बाजियों में 2 जीत दर्ज कीं और 10 मुकाबले ड्रॉ खेले। यह उनका सिंकफील्ड कप में तीसरा खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2016 और 2025 में यह ट्रॉफी जीती थी।

खिताब से चूकने के बावजूद प्रज्ञानानंदा ने ग्रैंड चेस टूर (GCT) फाइनल में जगह बनाई है। फाइनल में उनके साथ वेस्ली सो, फैबियानो कारुआना और विंसेंट केमर होंगे।

मिक्स्ड डिसेबिलिटी क्रिकेट-लॉर्ड्स में भारत ने गांगुली जैसा जश्न मनाया

बालकनी में खिलाड़ियों ने शर्ट लहराई, इंग्लैंड को 118 रन से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय मिक्स्ड डिसेबिलिटी क्रिकेट टीम ने बुधवार को सातवें और आखिरी टी-20 इंटरनेशनल में इंग्लैंड को 118 रन से हरा दिया। भारत ने इस जीत के बाद लॉर्ड्स की बालकनी में सौरव गांगुली जैसा शर्ट लहराकर जश्न मनाया।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 206 रन बनाए। अर्जुन गावरे ने 44 गेंदों पर 68 रन बनाए, जबकि कप्तान माजिद मागरे ने सिर्फ 19 गेंदों पर नाबाद 63 रन की पारी खेली।

इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 88 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत की ओर से हिलाल अहमद वानी ने 21 रन देकर 4 विकेट और जयेश परमार ने 14 रन देकर 3 विकेट लिए। भारत ने सात मैचों की सीरीज का सातवां मुकाबला जीता,

लेकिन इंग्लैंड ने सीरीज 4-3 से अपने नाम की। भारतीय खिलाड़ियों ने लॉर्ड्स में जीत का जश्न खास अंदाज में मनाया।

डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया ने X पर खिलाड़ियों और अधिकारियों का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें सभी लॉर्ड्स की ऐतिहासिक बालकनी में अपने ब्लेजर उतारकर जश्न मनाते नजर आए।

यह जश्न 2002 में इसी मैदान पर इंग्लैंड को हराकर नेटवेस्ट ट्रॉफी जीतने के बाद सौरव गांगुली के मशहूर शर्ट लहराने वाले सेलिब्रेशन की याद दिलाता है। DCCI ने लिखा, जब लॉर्ड्स में भारत जीतता है, तो जश्न का अंदाज अलग होता है। लॉर्ड्स की बालकनी में क्रिकेट की खुशी का यह खास पल था। कोट उतर गए, उत्साह बढ़ गया और तिरंगा गर्व से लहरा रहा था। 118 रन और एक ऐसा जश्न, जिसे भुलाया नहीं जा सकेगा।

मिक्स्ड डिसेबिलिटी क्रिकेट फॉर्मेट में अलग-अलग तरह की अक्षमताओं वाले खिलाड़ी एक साथ खेलते हैं। इसमें शारीरिक, सुनने और सीखने से जुड़ी समस्याओं वाले खिलाड़ी शामिल होते हैं।

171 रन पर ऑलआउट, 6 बैटर्स डबल डिजिट नहीं पहुंचे, ओपनर बेन डकेट ने 15 और इमिलिओ गै ने 33 रन बनाए

पाकिस्तान लीड्स टेस्ट के पहले ही दिन बैकफुट पर

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट के पहले ही दिन बैकफुट पर है। उसने पहली पारी में 171 रन बनाए। बुधवार को दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने अपनी पहली में 2 विकेट पर 112 रन बना लिए हैं। कप्तान जो रूट 37 और जॉर्डन कॉक्स 23 रन पर नाबाद लौटे हैं।

ओपनर बेन डकेट ने 15 और इमिलिओ गै ने 33 रन बनाए। मोहम्मद अब्बस और मोहम्मद अली को एक-एक विकेट मिला।

शफीक के आउट होने के बाद टीम की हालत और खराब हो गई। उसने टी-ब्रेक होने तक 150 रन के स्कोर पर 7 विकेट गंवा दिए थे। पहले दिन के दूसरे सेशन में पाकिस्तानी टीम ने 127 रन बनाने में 5 विकेट गंवाए।

आखिरी सेशन में टीम को ऑलआउट होने में टाइम नहीं लगा। ऑली रॉबिन्सन और जोश टंग ने 5-5 विकेट झटके।

पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद मैच में इस्तेमाल की गई गेंद को बीच में से काट दिया गया। क्रिकेट में ट्रेडिशन है कि फाइव विकेट हॉल करने वाला खिलाड़ी गेंद को अपने साथ मैदान के बाहर ले जाता है और उसे अपने पास रखता है। पहले जिन ओली रॉबिंसन ने 5 और 5 विकेट जोश टंग ने लिए। इसके बाद गेंद को दो हिस्सों में काटा गया और एक हिस्सा रॉबिंसन और दूसरा जोश को दिया गया।

बारिश के कारण लौटी पाकिस्तानी टीम की ओर से अब्दुल्लाह शफीक ने फिफ्टी लगाई। जबकि, ओपनर इमाम उल हक ने 42 रन जोड़े। दोनों ने 91 रन की पार्टनरशिप की। इस साझेदारी को ऑली रॉबिन्सन ने तोड़ा। उन्होंने शफीक को बोल्ड किया।

पहले दिन स्टंप्स के बाद पवेलियन लौटते जो रूट और जॉर्डन कॉक्स।

पाकिस्तान ने पहली बॉल पर विकेट गंवाया

पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने पहली ही बॉल पर विकेट गंवा दिया। जब ऑली रॉबिन्सन ने फुलर लेंथ की बॉल पर अजान अवैस को जीरो पर LBW कर दिया। उनकी जगह बैटिंग करने उतरे कप्तान शान मसूद भी 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्हें भी रॉबिन्सन ने पगबाधा कराया।

लंच ब्रेक तक पाकिस्तान का स्कोर 23/2 रहा। हालांकि, बारिश के कारण काफी देर तक खेल को रोकना पड़ा था।

मनोरंजन

घबराईं एक्ट्रेस बोलीं- तुकाराम जी आप कहां हैं कॉकरोच जनता पार्टी का किया था जमकर विरोध

श्वेता तिवारी ने ड्रिंक ऑर्डर की डिलीवरी में आया कॉकरोच

नई दिल्ली। श्वेता तिवारी ने हाल ही में ऑनलाइन एनर्जी ड्रिंक ऑर्डर की थी। जब ऑर्डर खोला गया, तो उसमें कॉकरोच मिलने से एक्ट्रेस घबरा गईं। एक्ट्रेस ने वीडियो जारी कर महाराष्ट्र में फूड सेफ्टी कार्रवाई से चर्चा में बने हुए FDA ऑफिसर तुकाराम मुंढे से सवाल किया है। साथ ही एक तस्वीर के जरिए उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी पर भी तंज कसा, जिनके प्रोटेस्ट का एक्ट्रेस ने जमकर विरोध किया था।

ऑफिशियल इंस्टाग्राम से शेयर किए गए वीडियो में श्वेता तिवारी ने कहा, 'हमने इंस्टामार्ट से रेडबुल मंगवाया। लेकिन इंस्टामार्ट से हमारे घर में ये (कॉकरोच) भी आया। कॉकरोच पूरे घर में भाग रहा है।'

दूसरे वीडियो में श्वेता ने कॉकरोच दिखाया और कहा, 'क्या हमें तुकाराम मुंढे जी को टैग करना चाहिए। मुंढे जी ये हमारे घर में इंस्टामार्ट से कॉकरोच आ रहे हैं। आप कहां हैं, ध्यान दीजिए।'

श्वेता तिवारी के पूर्व पति राजा चौधरी ने हाल ही में सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में कहा है कि श्वेता तिवारी के कसौटी को-स्टार सेजान खान के अलावा कई लोगों से अफेयर थे। बातचीत में राजा चौधरी ने ये भी दावा किया है कि कई बार वो श्वेता के टीवी शोज के सेट पर गए थे, तब वो सेट पर नहीं होती थीं और सेजान के साथ बाहर होती थीं।

श्वेता तिवारी ने कॉकरोच जनता पार्टी पर कसा तंज?

श्वेता तिवारी के इस वीडियो को कॉकरोच जनता पार्टी से जोड़ा रहा है। इसके प्रोटेस्ट की श्वेता तिवारी ने कड़ी निंदा की थी। उनका मानना था कि ये पार्टी सोनम वांगचुक का इस्तेमाल कर रही है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा था, सोनम वांगचुक एक सच्चे और बेहद महत्वपूर्ण उद्देश्य के लिए लड़ रहे हैं, शिक्षा और हमारे बच्चों के भविष्य के लिए। उनका यह उद्देश्य ध्यान देने योग्य है और सरकार को उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुनना चाहिए।

कसौटी जिंदगी की शो से देशभर में पहचान हासिल करने वालीं श्वेता तिवारी इन दिनों अमेजन प्राइम के शो द ट्रेटर्स सीजन 2 में नजर आ रही हैं। इससे पहले श्वेता रियलिटी शो बिग बॉस की विजेता रह चुकी हैं। श्वेता तिवारी अपनी निजी जिंदगी के चलते भी चर्चा में रह चुकी हैं।

सलमान की याचिका पर हटवाया गया काला हिरण का टीजर

प्रोड्यूसर ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्म निर्माता अमित जानी ने अपनी फिल्म 'काला हिरणः द बैटल फॉर लिगेसी' का टीजर हटाने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। हाईकोर्ट ने सलमान खान की याचिका पर सुनवाई करते हुए टीजर और इससे जुड़ी प्रचार सामग्री हटाने का निर्देश दिया था।

यह फिल्म बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान से जुड़े 1998 के चर्चित काले हिरण के शिकार मामले से प्रेरित बताई जा रही है। सलमान की शिकायत के बाद हाईकोर्ट ने उनके व्यक्तित्व अधिकारों के कथित उल्लंघन का हवाला देते हुए प्रचार सामग्री हटाने का आदेश दिया था।

जानी ने अपनी अपील में कहा है कि यह आदेश अनुचित सेंसरशिप है और उनके अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार को सीमित करता है। उनका कहना है कि सार्वजनिक रिकॉर्ड और ऐतिहासिक कानूनी मामलों पर किसी का एकाधिकार नहीं हो सकता।

कानूनी विवाद के बीच फिल्म निर्माता की सुरक्षा को लेकर भी चिंता सामने आई है। जानी का दावा है कि संगठित आपराधिक समूहों ने उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकियां दी हैं।

गरीबी में मेल सेक्स वर्कर बनने निकले बाढ़ में उतरकर पीड़ितों को खाना बांटा नेपाल जेल में बिकिनी किलर से मिले

50 के हुए रणदीप हुड्डा

नई दिल्ली। बॉलीवुड के संजीदा एक्टर्स में शुमार रणदीप हुड्डा आज 50 साल के हो गए हैं। पर्दे पर अपनी दमदार एक्टिंग और सीरियस किरदारों से पहचान बनाने वाले रणदीप की असल जिंदगी का एक पहलू इंसानियत से भरा भी है।

जब भी देश के किसी कोने में आपदा आई या लोग तकलीफ में दिखे, रणदीप ग्लैमरस दुनिया से दूर जमीनी स्तर पर मदद के लिए सबसे आगे खड़े नजर आए।

हाल ही में असम में आई भीषण बाढ़ के दौरान भी रणदीप हुड्डा का यही मानवीय चेहरा देखने को मिला। जब बाढ़ के पानी ने असम के कई इलाकों को डुबा दिया, तो रणदीप सोशल मीडिया पर केवल दुख जताकर नहीं रुके।

वे सीधे असम के शिवसागर जिले पहुंचे। यहां वे खुद पानी में उतरे और पीड़ितों को राहत सामग्री बांटी। रेलवे

स्टेशन पर बनाए गए राहत कैंपों में रह रहे पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचकर उन्होंने भोजन परोसा और लंगर की व्यवस्था संभाली। पर्यावरण के प्रति उनके इसी काम को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने उन्हें 'जलीय प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण' (CMS) के लिए अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया था। वे खुद बताते हैं कि उन्हें बचपन से ही जानवरों और प्रकृति से गहरा लगाव रहा है। उन्होंने कई घोड़ों को गोद ले रखा है और बाघ संरक्षण अभियानों में भी वे सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

इंसानियत और समाज सेवा का यह जज्बा रणदीप को उनके परिवार से विरासत में मिला है। उनके पिता डॉक्टर और मां आशा हुड्डा एक जानी-मानी सोशल वर्कर हैं। रणदीप का मानना है कि बचपन में मां को दूसरों की मदद करते देखकर ही उनके भीतर भी जरूर-तमंदों के प्रति यह संवेदनशीलता पैदा हुई। रणदीप ने ऑस्ट्रेलिया में रेस्टोरेंट में बर्तन धोए, वेटर का काम किया, कार वाशिंग सेंटर में गाड़ियां धोईं और देर रात तक टैक्सी भी चलाई। संघर्ष इतना बढ़ गया था कि एक वक्त पैसों की सख्त किल्लत के कारण उन्होंने जिगोलो (मेल सेक्स वर्कर) बनने के बारे में भी गंभीरता से सोचा था।

खर्च निकालने के लिए मेल सेक्स वर्कर बनने निकले

स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उच्च शिक्षा के लिए रणदीप हुड्डा ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न चले गए। वहां उन्होंने मार्केटिंग में बैचलर्स की डिग्री ली और उसके बाद बिजनेस मैनेजमेंट व ह्यूमन रिसोर्स में मास्टर्स की पढ़ाई पूरी की। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया में उनके दिन बहुत कठिनाइयों में बीते। जेब खर्च निकालने और अपनी पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए उन्होंने वहां कई छोटे-मोटे काम किए।

नासिक के सूखे में टैंकर लेकर पहुंचे थे

रणदीप हुड्डा का राहत कार्यों में जुटना हाल की घटना तक सीमित नहीं है। वे लंबे समय से संकट के समय जमीनी स्तर पर सेवा करते आए हैं। 2018 में जब केरल भीषण बाढ़ की चपेट में था और लाखों लोग बेघर हो गए थे, तब रणदीप सीधे केरल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे थे। संस्था खालसा एड के साथ मिलकर उन्होंने राहत शिविरों में हजारों लोगों के लिए खाना पकाने से लेकर बांटने तक का काम किया था। बड़े-बड़े बर्तनों में खाना बनाते और बाढ़ पीड़ितों को भोजन परोसते हुए उनकी तस्वीरें भी सामने आईं। केरल के बाद साल 2019 में जब महाराष्ट्र का नासिक जिला भयंकर सूखे की चपेट में था, तब भी रणदीप राहत लेकर पहुंचे। नासिक के वेले गांव में स्थिति इतनी गंभीर थी कि पीने के पानी के कुएं पूरी तरह सूख चुके थे और ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे थे। रणदीप खुद उस गांव में पहुंचे, स्थिति का जायजा लिया और सूखे की मार झेल रहे ग्रामीणों के लिए रोज 25 से 30 पानी के टैंकरों का इंतजाम कराया।

रणदीप हुड्डा सिर्फ प्राकृतिक आपदाओं में ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए भी सक्रिय रहे हैं। मुंबई के वर्सोवा बीच और मीठी नदी के सफाई अभियान में वे लगातार पर्यावरण कार्यकर्ता अफरोज शाह के साथ मिलकर खड़े रहे। वीकेंड्स पर जब अन्य बॉलीवुड सेलिब्रिटीज पार्टियों में व्यस्त रहते थे, तब रणदीप सुबह-सुबह वर्सोवा बीच पर ग्लव्स पहनकर कचरा और प्लास्टिक उठाते नजर आते थे।

ईरान जंग के चलते फैसला, यहां 20 सैन्य ठिकानों पर 40 हजार सैनिक तैनात

गल्फ देशों से सैनिकों को कम कर सकता है अमेरिका

विचार

वॉशिंगटन, एजेंसी

ईरान के साथ युद्ध के बाद अमेरिका फारस की खाड़ी (गल्फ) में अपनी सैन्य मौजूदगी कम करने पर विचार कर रहा है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पेंटागन समीक्षा कर रहा है कि क्या अब गल्फ देशों में पहले जितने अमेरिकी सैनिक रखने की जरूरत है।

इसकी बड़ी वजह युद्ध में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को हुआ भारी नुकसान है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान 200 से ज्यादा अमेरिकी सैन्य सुविधाएं क्षतिग्रस्त या तबाह हुई हैं। फिलहाल

अमेरिका जॉर्डन से लेकर ओमान तक फैले करीब 20 सैन्य ठिकानों पर लगभग 40 हजार सैनिक तैनात रखता है। हालांकि, इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। पेंटागन, ज्वाइंट स्टाफ और अमेरिकी सेंट्रल कमांड मिलकर इस पर आकलन कर रहे हैं कि युद्ध के बाद मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य तैनाती कैसी होनी चाहिए। पेंटागन में इस समय कई प्रस्तावों पर चर्चा चल रही है। इनमें गल्फ देशों से कुछ सैनिकों और सैन्य उपकरणों को जॉर्डन,

एक प्रस्ताव में कुवैत समेत कुछ गल्फ देशों से सैनिकों और सैन्य उपकरणों को इजराइल के ओवदा एयरबेस भेजने की बात भी कही गई है। हालांकि, इस प्रस्ताव का प्रशासन के भीतर विरोध भी हो रहा है। कुछ अधिकारियों का कहना है कि इजराइल में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ने से संवेदनशील खुफिया जानकारी की सुरक्षा पर खतरा बढ़ सकता है।

गल्फ में अमेरिका के सबसे बड़े सैन्य ठिकाने

बहरीन में अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट का मुख्यालय है। वहीं कुवैत, कतर, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और दूसरे गल्फ देशों में अमेरिका के बड़े सैन्य ठिकाने हैं।

अमेरिका कई दशकों से इन सैन्य ठिकानों के जरिए मिडिल ईस्ट में अपने सैन्य अभियान चलाता रहा है और क्षेत्र के सहयोगी देशों की सुरक्षा में मदद करता रहा है।

इजराइल या सऊदी अरब के रेड सी (लाल सागर) तट के करीब तैनात करने का सुझाव दिया गया है। अधिकारियों का मानना है कि ये इलाके ईरान की सीधी मिसाइल और ड्रोन पहुंच से अपेक्षाकृत ज्यादा सुरक्षित हो सकते हैं।

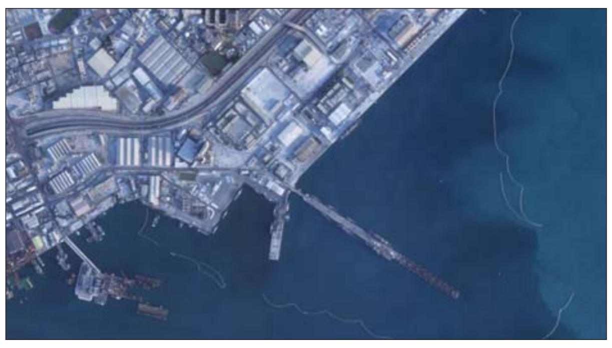

बहरीन के मनामा में अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट का हेडक्वार्टर। यह तस्वीर 21 फरवरी 2026 को सैटेलाइट से ली गई।

ईरानी हमलों के बाद बदली रणनीति

ईरान के साथ युद्ध के दौरान अमेरिका के कई सैन्य ठिकाने मिसाइल और ड्रोन हमलों की जद में आए। मार्च में कुवैत के एक सैन्य ठिकाने पर हुए हमले में 6 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध में 200 से ज्यादा अमेरिकी मिलिट्री फैसिलिटी को नुकसान पहुंचा। इस दौरान कुल 18 अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है। ईरान के हमलों से बचाव के लिए अमेरिकी सेना को 1000 से ज्यादा एयर डिफेंस इंटर-सेप्टर मिसाइलें दागनी पड़ीं। इससे पैट्रियट और थाड जैसे एयर डिफेंस सिस्टम के मिसाइल भंडार पर दबाव बढ़ गया।

अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि भविष्य में ऐसे हमलों का खतरा कम करने के लिए सैनिकों और सैन्य उपकरणों की तैनाती पर दोबारा विचार करना जरूरी है।

चांदी 9,260 बढ़कर 2.38 लाख पर पहुंची

इस साल 1.70 लाख तक जा सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतें 20 अगस्त को बढ़ गई हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 9,260 रुपए बढ़कर 2.38 लाख रुपए पहुंच गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 3,519 रुपए बढ़कर 1.57 लाख रुपए हो गया है।

इस महीने यानी अगस्त में 20 दिन में सोना 15 हजार और चांदी 20 हजार रुपए महंगी हो चुकी है। एक्सपर्ट्स के अनुसार सोना इस साल के आखिर तक 1 लाख 70 हजार रुपए तक जा सकता है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 24 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.57 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.38 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कोटक सिक्युरिटीज के सीनियर वीपी एंड कमोडिटी रिसर्च हेड अनिंद्य बनर्जी कहते हैं कि सोने को आम निवेशकों के साथ ही दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों जैसे आरबीआई का भी सपोर्ट हासिल है, जो लगातार सोना खरीद रहे हैं।

फास्ट न्यूज

सीरिया को लेकर इस्राइल और तुर्किये में ठनी

तेल अवीव। इस्राइल के रक्षामंत्री इस्राइल काट्ज ने तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोआन पर सीरिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने चेतावनी दी कि इस्राइल अपनी सुरक्षा के लिए किसी भी संभावित खतरे को बर्दाश्त नहीं करेगा। इस्राइल के रक्षामंत्री इस्राइल काट्ज ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोआन, तुर्किये को सीरिया में खतरनाक कदमों की ओर धकेल रहे हैं।

सेंसेक्स 628 अंक चढ़कर 77,538 पर बंद

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज यानी 20 अगस्त को बढ़त रही। सेंसेक्स 628 अंक चढ़कर 77,538 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 154 अंक की बढ़त रही, ये 24,232 पर बंद हुआ। मीडिया, रियल्टी और FMCG शेयर्स में आज ज्यादा खरीदारी रही। थर्मल इंजीनियरिंग और स्पेशलाइज्ड केबल बनाने वाली कंपनी टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड का IPO आज से ओपन हो गया है। निवेशक इसमें 24 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी IPO के जरिए 650 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

जिस एवरग्रांडे ने चीन को संकट में डाला

बीजिंग। शेनझेन की मध्यवर्ती जन अदालत ने चीन के एवरग्रांडे रियल एस्टेट समूह के संस्थापक हुई का यान को गुरुवार को बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं, इस कंपनी का पतन तब हुआ, जब 2020 में चीनी सरकारी अधिकारियों ने अधिकी उधार लेने पर कार्रवाई शुरू की।

ढाका यूनिवर्सिटी में चरमपंथी आसिफ अदनान का व्याख्यान

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में एक बार फिर कट्टरपंथ के बढ़ते साए ने बुद्धिजीवियों और आम नागरिकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

कट्टरपंथी राजनीतिक दल जमात-ए-इस्लामी के छात्र संगठन 'इस्लामी छात्र शिविर' द्वारा प्रायोजित एक कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान आतंकवाद के आरोपों में गिरफ्तार रहे आसिफ अदनान को ढाका यूनिवर्सिटी में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। इस घटना ने देश में चरमपंथी विचारधारा के पुनरुत्थान को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वर्ष 2014 में पुलिस ने आसिफ अदनान को प्रतिबंधित वैश्विक आतंकवादी संगठनों से जुड़े होने के डिजिटल सबूत मिलने के बाद गिरफ्तार किया था। उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के पुत्र होने के कारण वह जमानत पर रिहा हो गया और बाद में उसका मुकदमा वापस

ले लिया गया था। इसके बाद से वह सोशल मीडिया और पुस्तकों के माध्यम से अपनी चरमपंथी विचारधारा का प्रचार-प्रसार कर रहा था। हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने चेतावनी दी थी कि अल-कायदा बांग्लादेश को अपने स्लीपर सेल स्थापित करने के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है। ऐसे संवेदनशील समय में, 'आमार एकुशे हाल' में इस तरह के विवादित व्यक्ति का व्याख्यान होना शिक्षकों, छात्रों और पत्रकारों के बीच भारी चर्चा और चिंता का विषय बन गया है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि इस पर समय रहते रोक नहीं लगाई गई, तो यह देश की शांति और सुरक्षा के लिए एक खतरनाक मोड़ साबित हो सकता है।

भारत दौरे पर आ सकते हैं जिनपिंग

12-13 सितंबर को दिल्ली में ब्रिक्स समिट, दोनों देशों में सीमा विवाद पर होगी बात

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में 12-13 सितंबर को 18वां BRICS सम्मेलन होने जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मेलन में शामिल होने की पुष्टि है। वहीं, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी भारत आने की तैयारियां चल रही हैं।

अगर जिनपिंग भारत आते हैं तो यह करीब 7 साल बाद उनकी भारत यात्रा होगी। इससे पहले वे अक्टूबर 2019 में भारत आए थे।

विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, चीन की ओर से जिनपिंग के दौरे की अभी औपचारिक पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, दोनों देशों की एडवांस टीमों के दौरे और अन्य तैयारियों से उनके भारत आने की संभावना जताई जा रही है।

इस साल BRICS की कमान भारत के पास है। BRICS दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है। इसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ

तस्वीर प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच 2024 में रूस के कजान में हुई मुलाकात की है। दोनों नेता BRICS समिट में शामिल होने पहुंचे थे।

ब्रिक्स सम्मेलन में पुतिन और जिनपिंग दोनों के आने से भारत के लिए यह कूटनीतिक रूप से अहम बैठक बन सकती है।

सम्मेलन के दौरान मोदी-जिनपिंग की संभावित मुलाकात में एलएसी पर शांति, सीमा विवाद, व्यापार और दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य करने जैसे मुद्दे प्रमुख रह सकते हैं।

मिस्र, ईरान, इथियोपिया, UAE और इंडोनेशिया भी शामिल हैं। भारत की अध्यक्षता में पूरे साल अलग-अलग शहरों में बैठकें, मंत्रीस्तरीय सम्मेलन और कई स्तर की चर्चाएं हो रही हैं। भारत का फोकस ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल तकनीक, आतंकवाद से निपटने और सप्लाई चेन मजबूत करने पर है।

व्यापार और जरूरी सामान की सप्लाई भी एजेंडे में

भारत और चीन के बीच सिर्फ सीमा विवाद ही नहीं, बल्कि व्यापार और आर्थिक रिश्ते भी बातचीत का हिस्सा हैं। भारत चीन के साथ अपने बड़े व्यापार घाटे को कम करना चाहता है। इसके अलावा रेयर अर्थ मैगनेट और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट जैसे जरूरी सामान की सप्लाई को लेकर भी भारत अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है। दोनों देशों के बीच सीधा व्यापार और वीजा प्रक्रिया को आसान बनाने पर भी चर्चा चल रही है।

जिनपिंग से बातचीत में सीमा विवाद सबसे अहम मुद्दा

जिनपिंग के भारत दौरे की तैयारियों में LAC पर शांति और सीमा विवाद सबसे अहम मुद्दों में है। दोनों देश सीमा पर ऐसी व्यवस्था बनाने पर बात कर रहे हैं, जिससे किसी सैन्य घटना या तनाव का असर द्विपक्षीय रिश्तों पर न पड़े।

जिनपिंग की संभावित यात्रा से पहले NSA अजीत डोभाल सीमा मुद्दे पर 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता के लिए बीजिंग जा सकते हैं। वहां उनकी चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात हो सकती है। बातचीत में सीमा प्रबंधन, तनाव कम करने और स्थायी शांति के उपायों पर फोकस रहेगा।

तेल अवीव पुलिस ने एक संदिग्ध को किया गिरफ्तार, जांच जारी

इजरायल में भारतीय नागरिक की हत्या

भारतीय दूतावास इजरायली अधिकारियों के संपर्क में

तेल अवीव, एजेंसी

इजरायल से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां एक भारतीय नागरिक राजीव आचार्य की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद वहां की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास ने इस बात की पुष्टि की है। इजरायल स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दुख जताते हुए कहा कि वे इस घटना के सभी तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए इजरायली अधिकारियों के संपर्क में हैं और मामले पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। दोनों नेताओं ने भारत-इजरायल स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की थी। इतना ही नहीं विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि यह फोन कॉल इजरायल की ओर से की गई थी, जिसमें दोनों देशों के संबंधों को और गहरे करने पर जोर दिया गया था।

दूतावास ने फिलहाल राजीव आचार्य की मौत के कारणों या घटना से जुड़ी अन्य जानकारियों का खुलासा नहीं किया है। दूसरी ओर भारतीय मिशन ने मृतक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और हरसंभव सहायता प्रदान करने की बात कही है।

क्षेत्रीय तनाव और हालिया कूटनीतिक बातचीत

बता दें कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में लगातार तनाव बना हुआ है। हालांकि, भारतीय दूतावास ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह घटना क्षेत्रीय तनाव से जुड़ी है या नहीं। इससे पहले, इस महीने की शुरुआत में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच फोन पर बातचीत हुई थी।

मेहुल चोकसी का वकील विजय अग्रवाल लंदन में गिरफ्तार

दो महिलाओं से यौन उत्पीड़न का केस दर्ज

लंदन, एजेंसी

भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी का केस लड़ने वाले भारतीय क्रिमिनल लॉयर विजय अग्रवाल को लंदन में गिरफ्तार किया गया है। उन पर दो महिलाओं के साथ चार बार यौन उत्पीड़न करने का आरोप है और वे जेल में हैं। उनके पर्सनल असिस्टेंट मनप्रीत कौर भी जेल में हैं। उन पर जानबूझकर दो अपराधों को बढ़ावा देने का आरोप है।

दोनों भारतीय नागरिकों को 11 अगस्त को मेफेयर की 29 ब्रिक स्ट्रीट पर स्थित एक सर्विस वाले लग्जरी एंबेसेडेरियल टाउन हाउस से गिरफ्तार किया गया, जहां वे ठहरे हुए थे। मेट पुलिस को उस पते पर यौन उत्पीड़न की घटनाओं की सूचना मिली थी।

उन्हें हिरासत में लिया गया और 13 अगस्त को वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट

कोर्ट में पेश किए जाने पर उन पर आरोप तय किए गए।

दिल्ली में जन्मे विजय अग्रवाल पर दो महिलाओं के साथ चार बार यौन उत्पीड़न का आरोप है। यह घटना 4,000 वर्ग फुट के चार मंजिला, पांच बेडरूम वाले सर्विस टाउन हाउस में हुई, जहां मेड और रोजाना नाश्ते की सुविधा मिलती है और जिसका किराया लगभग 2.6 लाख रुपये प्रति रात है। अग्रवाल पर रविवार, 9 अगस्त को उसी प्रॉपर्टी पर एक महिला के साथ तीन बार यौन उत्पीड़न का आरोप है। उन पर आरोप है कि उन्होंने जानबूझकर एक महिला को छुआ और यह स्पर्श यौन प्रकृति का था, जबकि महिला की सहमति नहीं थी। उन पर मंगलवार, 26 मई को भी इसी तरह के अपराध का एक और आरोप है। कौर पर 26 मई और 9 अगस्त को उसी प्रॉपर्टी पर यौन उत्पीड़न के अपराध को जानबूझकर बढ़ावा देने या उसमें मदद करने के दो आरोप हैं। आरोप है कि उन्होंने नौकरी का एक झूठा विज्ञापन पोस्ट करके दो महिलाओं को विजय अग्रवाल से मिलवाया और उन्हें उस पते पर बुलाया।

दुर्घटना : इक्वाडोर के खुफिया प्रमुख और 5 यूएस नागरिकों समेत 7 लोगों की मौत

केन्या में सफारी पर जा रहा हेलीकॉप्टर क्रैश

नैरोबी, एजेंसी

मध्य केन्या के साम्बुरु काउंटी में बुधवार को पर्यटकों को लेकर जा रहा हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इस दुर्घटना में उसमें सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में इक्वाडोर के राष्ट्रीय खुफिया केंद्र के प्रमुख मिशेल सेन्सी-कोंट्रेरी, उनकी पत्नी और पांच अमेरिकी नागरिकों की मौत हो गई। केन्या नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (KCAA) के अनुसार, राजधानी नैरोबी के उत्तर में स्थित साम्बुरु काउंटी में हुई। यह हादसा स्थानीय समयानुसार सुबह 09:13 बजे हुआ, जब विमान लोइसाबा वाइल्डलाइफ रिजर्व से रवाना हुआ। खराब मौसम और अंधेरा होने के

चलते राहत बचाव कार्य में देरी आई। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि इस दुर्घटना में पांच अमेरिकी नागरिकों की मौत हो गई, लेकिन उन्होंने उनकी पहचान नहीं बताई। हालांकि, स्पेनिश भाषा के प्रसारक टेलीमुंडो ने घोषणा की कि फ्लोरिडा में उसके एक वरिष्ठ प्रबंधक, जोस अल्बर्टो सुआरेज की इस दुर्घटना में

अंधेरा होने से राहत बचाव कार्य में देरी

केन्या रेड क्रॉस द्वारा दोपहर में X पर शेयर की गई तस्वीरों में दुर्घटनास्थल आग की लपटों में घिरा हुआ दिखाई दे रहा था। रेड क्रॉस ने कहा कि दुर्गम भूभाग के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है।

विमान दुर्घटना जांच विभाग (एएआईडी) के निदेशक फ्रेडरिक काबुंगे के अनुसार, हेलीकॉप्टर में एक पायलट और छह यात्री सवार थे, जिसमें कोई भी जीवित नहीं बचा है। साम्बुरु काउंटी के पुलिस प्रमुख डेविड नकोरोई ने कहा, अंधेरा होने और दुर्घटनास्थल की जटिल परिस्थितियों के कारण कल तक अभियान स्थगित कर दिया गया है।

मृत्यु हो गई है। इक्वाडोर के परिवहन मंत्री रॉबर्टो लुक ने कहा कि खुफिया प्रमुख मिशेल सेन्सी-कोंट्रेरास और उनकी पत्नी मृतकों में शामिल थे। लुके ने X पर लिखा, 'आज मिशेल और स्टेफनी हमें बहुत जल्द छोड़कर चले गए। उनके परिवार, खासकर उनके बच्चों और माता-पिता के बारे में सोच रहा हूं।

गौरतलब है कि उत्तरी केन्या में बेहद खूबसूरत और लोकप्रिय जगह साबुरु स्थित है। यहां एक पर्वत है, जिसकी चोटी समुद्र तल से दो हजार मीटर यानी 6560 फीट है। यह जगह हाइकिंग के लिए फेमस जगह है। यहां कंपनियां पर्यटकों को हेलिकॉप्टर से ऊपर से नजारे दिखातीं हैं।

मशहूर कंटेंट क्रिएटर आयशा गिलामाना की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के पास तक्षशिला में 13 लाख से अधिक फॉलोअर्स वाली 28 साल की कंटेंट क्रिएटर की दो लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना ने देश में महिलाओं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के खिलाफ बढ़ती हिंसा को एक बार फिर उजागर किया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, शम्सो बीबी (जिन्हें ऑनलाइन आयशा गिलामाना के नाम से भी जाना जाता था) की 14 अगस्त को कथित तौर पर पैसों के विवाद के कारण हत्या कर दी गई। उनके भाई नियामतुल्ला ने पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ से इस मामले में दखल देने और न्याय सुनिश्चित करने की अपील की।

अपनी शिकायत में, उनके पिता फजल साहिबजादा ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को काशिफ नाम के एक व्यक्ति ने तक्षशिला स्थित उनके घर के बाहर बुलाया था। इसके बाद

वह अपनी बहन और भाई के साथ कार में घर से निकलीं।

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, गाड़ी जब एक बाजार के पास से गुजरी, तो मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने कथित तौर पर उस पर गोली चलाई, जिससे बीबी की गर्दन में गोली लगी और उनकी मौत हो गई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे घटना के कथित वीडियो में मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों को बीबी की कार रोकते और बहुत पास से उस पर गोली चलाते हुए देखा जा सकता है। बताया जाता है कि गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह एक डंपर से टकरा गई, जिससे बीबी की बहन गंभीर रूप से घायल हो गईं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96